RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:40 ता. 02 अगस्त 2023, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पीएम को पुरस्कार पर घिरे पवार, उद्धव सेना बोली- उनके चाहने वालों को यह पसंद नहीं आएगा; कहां इशारा

● राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, `महाविकास अघाड़ी और INDIA के नेता ऐसे कार्यक्रमों में जाते हैं, तो लोगों के दिमाग में कंफ्यूजन पैदा होता है...।

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिग्गज नेता शरद पवार एक मंच पर होंगे। अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में टूट और विपक्षी गठबंधन 'INDIA' की बढ़ती सक्रियता के बीच पुणे में बनने वाला यह नजारा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पवार के राजनीतिक साथी दल शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) ने भी तंज कस दिया है। पार्टी ने मुखपत्र 'सामना' के जरिए इसे 'आश्चर्य' बताया है। साथ ही 82 वर्षीय एनसीपी नेता को नसीहत भी दे दी है। मंगलवार को पुणे के एसपी कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड दिया जाएगा। खास बात है कि यह अवॉर्ड उन्हें पवार ही देंगे। संपादकीय के अनुसार, 'दूसरा आश्चर्य यह है कि श्रीमान शरद पवार। महीने भर पहले मोदी ने ही शरद पवार की पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए व तुरंत उनकी पार्टी तोड़ दी। महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बनाकर छोड़ दिया, फिर भी शरद पवार पुणे में आज एक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मोदी की आवभगत करेंगे।'

'पसंद नहीं आएगा'

शिवसेना (यूबीटी) का दावा है कि यह पवार का यह फैसला उनके समर्थकों को पसंद नहीं आएगा।

● खास बात है कि यह अवॉर्ड उन्हें पवार ही देंगे। संपादकीय के अनुसार, 'दूसरा आश्चर्य यह है कि श्रीमान शरद पवार। महीने भर पहले मोदी ने ही शरद पवार की पार्टी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए व तुरंत उनकी पार्टी तोड़ दी। महाराष्ट्र की राजनीति को दलदल बनाकर छोड़ दिया, फिर भी शरद पवार पुणे में आज एक कार्यक्रम में उपस्थित रहकर मोदी की आवभगत करेंगे।'

आगे कहा गया, 'संसद में दिल्ली सरकार के लोकतांत्रिक अधिकार खत्म करके सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को रौंदते हुए विधानमंडल के अधिकार पर हमला करनेवाला विधेयक संसद में मंजूरी के लिए लाया जा रहा है...। श्री शरद पवार संसद में विधेयक का विरोध करने के लिए उपस्थित रहने की बजाय मोदी को पुरस्कार देंगे, यह पवार के चाहनेवालों को पसंद नहीं आएगा।'

INDIA गठबंधन की दे दी दुहाई

अटकलें हैं कि पवार की मौजूदगी ने नए विपक्षी गठबंधन में भी हलचल बढ़ा दी है। सामना में कहा गया, 'शरद पवार 'मराठा' हैं और शरद पवार मतलब आशादायक चेहरा, ऐसा वे खुद ही कहते हैं। तो ऐसे में उनसे अलग ही आशादायी भूमिका की अपेक्षा है।' खास बात है कि मुंबई में ही विपक्षी दलों की अगली बैठक होनी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आगामी बैठक में सीट शेयरिंग समेत कई अहम मुद्दों पर मंथन हो सकता है।

संजय राउत ने भी उठा दिए सवाल

राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, महाविकास अघाड़ी और INDIA के नेता ऐसे कार्यक्रमों में जाते हैं, तो लोगों के दिमाग में कंफ्यूजन पैदा होता है...। उन्हें (पवार) को लेकर कंफ्यूजन है, INDIA गठबंधन को लेकर नहीं। उनके फैसले को लेकर कंफ्यूजन हो सकता है और उन्हें इसे दूर करना होगा। हम साथ हैं। MVA और INDIA मजबूत है।

प्रधानमंत्री ने झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के सांसदों को दिया जीत का मंत्र, अगली बैठक आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव की कमान संभाल ली है। उन्होंने सोमवार देरशाम भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कुछ सांसदों के साथ पहली बैठक की। बैठक में झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के सांसदों के अलावा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद रहे। यह बैठकें 10 अगस्त तक जारी रहेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी सांसदों को इस बार पहले से भी ज्यादा सीटें जीतने का मंत्र दिया। अगले 25 साल में भारत को एक विकसित देश बनाने का लक्ष्य भी रखा। बैठक के बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग ने बताया कि पार्टी की आंतरिक बैठकें हैं। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एनडीए के 25 वर्ष पूरे होने पर यह बैठक हुई है। एनडीए 25 वर्षों से देश की सेवा कर रहा है। देश के विकास में एनडीए की महत्वपूर्ण भूमिका है। उल्लेखनीय है कि एनडीए सांसदों की अगली बैठक 2 अगस्त को उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पुडुचेरी, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप के लिए होगी। इसके बाद 3 अगस्त को एक और बैठक होगी, जिसमें बिहार, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख पर चर्चा होगी। 8 अगस्त की बैठक राजस्थान, महाराष्ट्र और गोवा के लिए होगी। वहीं 9 अगस्त को मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, गुजरात, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के लिए बैठक होगी।

पुल से संगुएम नदी में गिरी कार, 2 साल के मासूम सहित एक की डूबने से मौत

पणजी। दक्षिण गोवा के संगुएम में तारिपांतो में एक पुल से कार नदी में जा गिरी। इस भीषण हादसे में दो साल के लड़के सहित एक की कथित तौर पर डूबने से मौत हो गई। सूत्रों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

कार चालक लापता, तलाश जारी-कर्चोरम फायर स्टेशन के कर्मियों ने समाचार एजेंसी को बताया कि सोमवार शाम को हुई घटना के बाद लापता हुए कार चालक की तलाश आज सुबह फिर से शुरू हो गई है।

एमपी विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की कैंपेन कमेटी

कांतिलाल भूरिया को बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के आलाकमान ने आज चुनाव प्रचार समिति का ऐलान किया है। सीनियर नेता कांतिलाल भूरिया को कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। वहीं, सूबे के पूर्व सीएम और वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुखिया कमलनाथ का नाम भी शामिल किया गया है। कमेटी में 32 लोगों को जगह दी गई है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के एक आधिकारिक पत्र के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए तत्काल प्रभाव से एक कैंपेन कमेटी के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। 34 सदस्यीय चुनाव प्रचार कमेटी के पैनल में वरिष्ठ नेता गोविंद सिंह, सुरेश पचौरी, अरुण यादव,

सूबे के पूर्व सीएम और वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुखिया कमलनाथ का नाम भी शामिल किया गया है।

अजय सिंह राहुल, विवेक तन्खा, राजमणि पटेल, कमलनाथ के बेटे नकुल नाथ, सज्जन सिंह वर्मा, एनपी प्रजापति, केपी सिंह कक्काजू, लक्ष्मण सिंह, बाला बच्चन, तरुण भनोट, ओंकार सिंह मरकाम, विजयलक्ष्मी साधौ, राजेंद्र सिंह, हिना कावरे, लाखन सिंह यादव, सुखदेव पांसे और जीतू पटवारी का नाम शामिल है। इसके अलावा, अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की पूर्व प्रमुख शोभा ओझा, अखिल भारतीय सेवा दल के पूर्व प्रमुख महेंद्र जोशी, सभी विंग के राज्य प्रमुख और पार्टी के एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक विंग के राज्य अध्यक्षों को भी समिति का सदस्य बनाया गया है। मध्य प्रदेश में चुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सूबे में सत्ताधारी दल भाजपा ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र तोमर को प्रदेश भाजपा प्रभारी बनाया गया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए विधानसभा चुनाव प्रभारी बनाया गया है।

राजस्थान तक पहुंची नूंह हिंसा की आग, भरतपुर में हाई अलर्ट, कई इलाकों में इंटरनेट भी बंद

भरतपुर। हरियाणा के नूंह जिले में हिंसा से फरीदाबाद और गुरुग्राम में फैले तनाव के बाद अब राजस्थान के भरतपुर जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है। राजस्थान सरकार द्वारा एहतियात के तौर पर अब भरतपुर जिले की 4 तहसीलों में भी इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। पूरे भरतपुर में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। हरियाणा-भरतपुर सीमा पर कड़ी नाकेबंदी की गई है और चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात है। भरतपुर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया कि जिले में निगरानी बढ़ा दी गई है और सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की सीमा से सटे इलाकों में सतर्कता बरती जा रही है। गौरतलब है कि हरियाणा के नूंह जिले में सोमवार को विश्व हिंदू परिषद, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी और बजरंग दल की ब्रजमंडल 84 कोस शोभा यात्रा को रोकने के लिए एक समुदाय के लोगों द्वारा पथराव कर दिया गया था। इसके बाद हुई हिंसा और आगजनी की घटनाओं में दो होम गार्ड्स सहित कुल 4 लोगों की मौत हो गई और लगभग एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि होमगार्ड के जवान नीरज की गोली लगने से मौत हो गई। हिंसा में मारे गए होमगार्ड के दूसरे जवान की पहचान गुरसेवक के रूप में हुई।

हरियाणा पुलिस की इन 5 नाकामियों से जल उठा नूंह

मुस्लिम बहुल नूंह में भड़की साम्प्रदायिक हिंसा की यह आग बाद में सोहना, गुरुग्राम और फरीदाबाद तक फैल गई थी। हिंसा की घटनाओं के बाद सभी प्रभावित सभी जिलों में जिले में धारा-144 लागू कर लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। साथ इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। स्कूल-कॉलेज बंद भी हैं और जिले की सीमाएं भी सील कर दी गई हैं।

इस बीच, हरियाणा सरकार ने नूंह जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स की 20 कंपनियों को तैनात कर दिया है। पुलिस और अर्द्धसैनिक बल लगातार सभी जगह गश्त कर रहे हैं।

हटिया रेलवे स्टेशन होगा मॉडल, 355 करोड़ होंगे खर्च

प्रधानमंत्री छह अगस्त को करेंगे शिलान्यास

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के हटिया रेलवे स्टेशन बहुत जल्द मॉडल होगा। केंद्र सरकार इस पर 355 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा पिस्का रेलवे स्टेशन को भी विकसित करने के लिए 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी छह अगस्त को दिल्ली से ऑनलाइन इन दोनों प्रोजेक्ट का शिलान्यास करेंगे। हटिया रेलवे स्टेशन राजधानी रांची का प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारतीय रेलवे के दक्षिण पूर्वी रेलवे जोन से संबद्ध है। यह स्टेशन देश के अधिकांश प्रमुख शहरों से रेलवे संजाल से जुड़ा है। हटिया स्टेशनव

● इसके अलावा पिस्का रेलवे स्टेशन को भी विकसित करने के लिए 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

रांची-राउरकेला रेलवे खंड पर है। हटिया स्टेशन को स्मार्ट सिटी रांची के मेन जंक्शन के रूप में भी विकसित किया जाना है।

यौन उत्पीड़न केस में दी गवाही, अब बृजभूषण सिंह की जगह लेने को तैयार महिला पहलवान अनीता श्योराण ?

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ का चुनाव रोचक हो गया है। महासंघ के अध्यक्ष पद के मुकाबले में बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले की गवाह रहीं अनीता श्योराण ने नामांकन दाखिल किया है। दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकीं अनीता श्योराण ने सोमवार को ही नामांकन दाखिल किया, जो आखिरी दिन था। कुश्ती महासंघ के चुनाव के लिए 12 अगस्त को मतदान होना है। यदि अनीता इस चुनाव में जीत जाती हैं तो यह अपने आप में इतिहास होगा क्योंकि वह पहली महिला अध्यक्ष होंगी। कुश्ती के खेल में अब तक पुरुष पहलवानों का ही प्रभुत्व रहा है, लेकिन अनीता श्योराण इस रीत को बदल सकती हैं। इसके अलावा बृजभूषण गुट को पटकनी देना भी एक उपलब्धि होगा। बृजभूषण शरण सिंह के समर्थकों ने भी अध्यक्ष समेत सभी 15 पदों पर

● कुश्ती महासंघ के चुनाव के लिए 12 अगस्त को मतदान होना है। यदि अनीता इस चुनाव में जीत जाती हैं तो यह अपने आप में इतिहास होगा क्योंकि वह पहली महिला अध्यक्ष होंगी। कुश्ती के खेल में अब तक पुरुष पहलवानों का ही प्रभुत्व रहा है, लेकिन अनीता श्योराण इस रीत को बदल सकती हैं।

अपने नामांकन दाखिल किए हैं। ऐसे में यह भी दिलचस्प होगा कि नतीजा किसके पक्ष में जाता है। कुश्ती महासंघ के 50 सदस्य मतदाताओं और उम्मीदवारों की सूची में भी अनीता अकेली महिला हैं। अनीता का मुकाबला बृजभूषण के दो समर्थकों दिल्ली के ओलंपियन जय प्रकाश और यूपी के संजय सिंह भोला से होना है। इन दोनों ही उम्मीदवारों का बृजभूषण शरण सिंह से पुराना रिश्ता रहा है।

WFI के लिए अब भी 'कुश्ती' कर रहे बृजभूषण, 15 सीटों पर उतारे उम्मीदवार-बृजभूषण शरण सिंह पर 6 महिला पहलवानों से यौन उत्पीड़न का आरोप है। फिलहाल वह दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से जमानत पर हैं। उन्हें इसी मामले में चुनाव लड़ने से बेदखल किया गया है। इसके अलावा उनके परिवार के किसी सदस्य को भी चुनाव में शामिल होने की परमिशन नहीं दी गई है। मतदाता सूची में भी बृजभूषण शरण सिंह या उनके परिवार का कोई मेंबर नहीं है। इसके बाद भी बृजभूषण शरण सिंह भले ही पद गंवा चुके हैं, लेकिन रुतबा नहीं छोड़ना चाहते। उन्होंने सोमवार को कुश्ती महासंघ की प्रदेश यूनिट्स की मीटिंग बुलाई थी। इसके बाद दावा किया कि कुल 25 स्टेट यूनिट्स में से 20 उनके साथ हैं। उनके समर्थक उम्मीदवार जयप्रकाश ने भी कहा कि हमें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। वहीं विपक्षी पैनल का नेतृत्व अनीता श्योराण कर रही हैं। माना जा रहा है कि उन्हें बृजभूषण की विरोधी लॉबी का पूरा समर्थन हासिल है। अनीता यौन उत्पीड़न केस में गवाह हैं। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि एक पीड़ित पहलवान ने उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी थी और बताया था कि जबरदस्ती बृजभूषण ने उसे गला लगा लिया था। हालांकि चुनाव को लेकर अनीता चुपचाप ही लड़ाई में हैं और टिप्पणी करने से बच रही हैं।

ठाणे में गर्डर मशीन मजदूरों पर गिरी, 17 की मौत: कई के दबे होने की आशंका; समृद्धि एक्सप्रेसवे पर रात में काम चल रहा था

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे पर सोमवार देर रात हादसा हो गया। शाहपुर के पास सरलांबे में हाईवे पर पुल निर्माण के दौरान एक गर्डर लॉन्चिंग मशीन गिरने से 17 मजदूरों की मौत हो गई है। हाईवे पर रात में निर्माण कार्य चल रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, करीब 1:30 बजे गर्डर मशीन 100 फीट की ऊंचाई से नीचे गिर गई। इसके नीचे अब भी कुछ मजदूरों के दबे होने की आशंका है। NDRF के असिस्टेंट कमांडर सारंग कुर्वे ने बताया कि रेस्क्यू का काम सुबह 5:30 बजे से जारी है। दरअसल, गर्डर मशीन का वजन काफी होने से उसे जल्दी से हटाया नहीं जा सका। सुबह करीब 8 बजे क्रेन आने के बाद ही रेस्क्यू काम में तेजी आई। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहपुर सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल में 15 शव लाए जा चुके हैं। सीएम शिंदे बोले- स्विट्जरलैंड की कंपनी यहां काम कर रही थी, घटना की जांच होगी

इस घटना को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि मृतकों के परिवार को 5 लाख रुपए मुआवजा दिया जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। यहां पर स्विट्जरलैंड की कंपनी काम कर रही थी। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

6 महीने में 88 लोगों गंवाई जान

दिसंबर 2022 में उद्घाटन के बाद से अब तक समृद्धि एक्सप्रेस वे पर 846 हादसे हुए हैं। इनमें से 105 हादसे जानलेवा थे, जिनमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। सभी हादसों को

मिलाकर 660 लोग घायल हुए हैं।

इन हादसों में से 87 हादसे गंभीर श्रेणी के थे, जिनमें 232 लोगों को गंभीर चोटें आईं, 215 सामान्य हादसे थे जिनमें 428 लोगों को हल्की चोटें आईं, जबकि 275 हादसे ऐसे थे जिसमें कोई घायल नहीं हुआ।

701 किमी लंबा एक्सप्रेसवे है समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे

समृद्धि एक्सप्रेस हाईवे डिप्टी ष्ट्रू देवेन्द्र फडणवीस की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसका नाम हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग है।

यह हाइवे मुंबई और नागपुर को जोड़ने वाला 701 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेसवे है। जो नागपुर, वाशिम, वर्धा, अहमदनगर, बुलढाणा, औरंगाबाद, अमरावती, जालना, नासिक और ठाणे समेत दस जिलों से होकर गुजरता है।

हाइवे का निर्माण कार्य तीन फेज में हो रहा है। दो फेज का काम पूरा हो चुका है। तीसरे फेज का काम ठाणे जिले में चल रहा है। यह हादसा ठाणे के शाहपुर इलाके के सरलांबे में हुआ।

समृद्धि महामार्ग का निर्माण कार्य महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम कर रहा है। दिसंबर 2022 में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरडी और नागपुर के बीच 520 किलोमीटर लंबे समृद्धि राजमार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया।

इसके बाद परियोजना के दूसरे चरण का उद्घाटन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस ने किया था। नागपुर से इगतपुरी तालुका के भारवीर गांव तक कुल 600 किलोमीटर की सड़क खोल दी गई है।

फिलहाल समृद्धि हाईवे नागपुर से इगतपुरी तक चल रहा है। समृद्धि राजमार्ग का आखिरी और तीसरा चरण दिसंबर 2023 तक पूरा होने की संभावना है। यह सौ किलोमीटर का चरण है।

पिछले महीने बस हादसे में मारे गए थे 25 लोग

पिछले महीने भी समृद्धि महामार्ग एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 25 लोग मारे गए थे। दरअसल, नागपुर से पुणे जा रही बस बुलढाणा जिले के सिंदखेड़ाराजा के पास पिंपलखुटा गांव के पास टकराकर पलट गई, जिससे उसमें आग लग गई थी।

बस में 33 लोग सवार थे, जिसमें 25 की जलने से मौके पर मौत हो गई। इनमें 3 बच्चे भी शामिल थे। 8 लोगों ने बस की खिड़की का शीशा तोड़कर जान बचाई थी। यह हादसा भी रात में हुआ था।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड मामले में बड़ी कामयाबी, सचिन बिश्नोई को अजरबैजान से किया गया डिपोर्ट

नई दिल्ली । पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक सचिन बिश्नोई उर्फ सचिन थापन को दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल अजरबैजान के बाकू से लेकर भारत आई है। सचिन कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का भतीजा है। पिछले साल मई में सिद्धू मूसेवाला की हत्या से पहले वह फरार हुआ और जाली पासपोर्ट का उपयोग करके देश से भागने में कामयाब हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि 26 साल के सचिन पर करीब 12 मामले चल रहे हैं। पिछले साल मई में मूसेवाला की हत्या से ठीक पहले वह फर्जी पासपोर्ट पर दुबई भाग गया था। सचिन को पिछले साल अजरबैजान में हिरासत में लिया गया था। सचिन ने मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी लेकर कहा था कि यह उसके भाई विक्की मिद्?दूखेड़ा की हत्या का बदला लेने के लिए किया गया था। विक्रमजीत सिंह उर्फ विक्की मुक्तसर जिले की लंबी उप-तहसील के मिद्?दूखेड़ा गांव का युवा अकाली दल का नेता था। विक्की को अगस्त 2021 में मोहाली में गोली मार दी गई थी। सचिन को अजरबैजान में स्थानीय अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। वह पिछले अप्रैल में फर्जी पासपोर्ट पर भारत से भाग गया था। मूसेवाला की 29 मई 2022 को पंजाब के मनसा में हमलावरों के एक समूह ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ को अपराध के मुख्य अपराधियों के रूप में नामित किया गया था।

एनटीसीए ने सुप्रीम कोर्ट में कहा, चीतों की मौत अप्राकृतिक कारणों से नहीं हुई

नई दिल्ली । राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में किसी भी चीते की मौत अवैध शिकार, जाल में फंसाने, जहर देने, सड़क पर टकराने, बिजली के झटके जैसे अप्राकृतिक कारणों से नहीं हुई है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा दायर हलफनामे में कहा गया है कि एनटीसीए के पास आज यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि कूनो में किसी अंतर्निहित अनुपयुक्तता के कारण मौतें हुईं है। वैसे भी चीतों की जीवित रहने की दर बहुत कम है, यानी गैर-परिचयित आबादी में वयस्कों में 50 प्रतिशत से कम। इसके अलावा, हलफनामे में कहा गया है कि शावकों के जीवित रहने की दर लगभग 10 प्रतिशत संभावना हो सकती है। केंद्र ने बताया कि पशु चिकित्सा देखभाल, दिन-प्रतिदिन प्रबंधन और निगरानी और चीतों की पारिस्थितिकी और व्यवहार से संबंधित अन्य पहलुओं का काम एनटीसीए द्वारा अंतरराष्ट्रीय अनुभवी विशेषज्ञों के परामर्श से किया जा रहा है। 20 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से चार महीने की अवधि में कूनो में आठ चीतों की मौत पर कुछ सकारात्मक कदम उठाने का कहकर मामले में अद्यतन स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। न्यायमूर्ति बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ में शामिल न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा, पिछले सप्ताह दो और मौतें। यह प्रतिष्ठा का प्रश्न क्यों बनता जा रहा है? कृपया कुछ सकारात्मक कदम उठाएं। पीठ ने केंद्र सरकार को इसपर विचार करने का सुझाव दिया था कि क्या चीतों को राजस्थान के जवाई राष्ट्रीय उद्यान जैसे अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया जा सकता है। एनटीसीए ने विशेषज्ञों से सलाह लेने के बाद सुप्रीम कोर्ट को बताया कि मुकुंदरा टाइगर रिजर्व, राजस्थान चीतों को रखने के लिए उपयुक्त नहीं है, क्योंकि 2020 में बहुत ही कम समय के भीतर पांच बाघों की मौत/गायब हो गए थे। इसमें कहा गया है कि टाइगर रिजर्व में बड़ी संख्या में जंगली मवेशी हैं, इसमें काफी मात्रा में परजीवी होते हैं, जो चीतों के जीवित रहने की संभावनाओं के लिए हानिकारक हो सकते हैं। अफ्रीका से कूनो लाए गए 20 में से पांच वयस्क चीतों और कूनो में जन्मे चार शावकों में से तीन की मार्च से मौत हो चुकी है। वन्यजीव विशेषज्ञों को संदेह है कि हाल ही में मृत दो नर चीतों तेजस और सूरज को उनके रेडियो कॉलर (जीपीएस से सुसज्जित) के कारण कीड़ों का संक्रमण हुआ और उनके अंग भी इसी तरह क्षतिग्रस्त हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, हालांकि रेडियो कॉलर घातक मुद्दा नहीं हो सकता है, लेकिन यह एक योगदान कारक हो सकता है और इसका समाधान किया जाना चाहिए।

पाकिस्तान से भारत आई सीमा का चमकी किस्मत, बनेगी हिरोइन

मुंबई । सीमा हैदर और सचिन की प्रेम कहानी ऐसी है, जो किसी फिल्म की कहानी हो। सीमा अपने प्यार सचिन के लिए अपने देश और परिवार को छोड़ बच्चों को साथ लेकर हिंदुस्तान आ गई। पाकिस्तान से भारत आईं सीमा की हिंदुस्तान आते ही मानों किस्मत चमक गई है। खबर है कि अब सीमा को बॉलीवुड की हीरोइन बनने का मौका मिल गया है। दरअसल, सचिन और सीमा ने कई बार कहा गया है कि काम-धंधे के लिए बाहर न जाने जा पाने की वजह से उनके खाने के लाले पड़ गए हैं और उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। सचिन और सीमा की आर्थिक तंगी की बात सामने आते ही प्रोड्यूसर अमित जानी उनकी मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने सीमा को एक फिल्म ऑफर की है। अमित जानी ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस 'जानी फायर फॉक्स' खोला है। इस प्रोडक्शन हाउस के तले वह उदयपुर में हुई टेलर कन्हैया लाल साहू की हत्या फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'अ टेलर मर्डर स्टोरी' है। इस फिल्म में अमित ने सीमा को काम करने का ऑफर दिया है। अमित ने सीमा और सचिन दोनों को ये ऑफर दिया कि यदि वह उनके प्रोडक्शन में काम करें, तब वह काम करने के एवज में कपल को पैसे भी देने को तैयार हैं। अमित ने कहा कि जिस तरीके से सीमा हैदर भारत में दाखिल हुई, उस तरीके के समर्थन में वहां नहीं हैं। लेकिन उनकी आर्थिक तंगी को देखते हुए वह एक भारतीय होने के नाते मदद के लिए तैयार है।

नकली दवाओं पर रोक लगाने 300 ब्रांडों पर आईडीएमए लगायेगा क्यूआर कोड

-पैकेजिंग में बदलाव को मिली मंजूरी, नये बैच 1 अगस्त से मार्केट में रहेंगे उपलब्ध

नई दिल्ली । नकली दवाओं पर नकल कसने के लिए अब आईडीएमए ने लगभग 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड लगाने का फैसला लिया है। इससे नकली दवा कारोबार ठप्प हो जाएगा और लोग ठगी से भी बचेंगे। हालांकि निर्माताओं ने अभी इसे लिए तैयारी करने की जरुरत बताई है। जानकारी के अनुसार भारतीय दवा विनिर्माताओं के संगठन (आईडीएमए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विरंची शाह ने कहा कि 1 अगस्त और उसके बाद बनने वाली 300 ब्रांडों के बैच में पैकेजिंग पर क्यूआर कोड छपे होंगे। सरकार के इस कदम का असर डोलो (माइक्रो लैब्स), एलेग्रा (सनोफी), एस्थलिन (सिप्ला), ऑगमेंटिन (जीएसके), सेरिडॉन (बायर फार्मास्युटिकल्स), लिम्सी (ऐबट), कालपोल (जीएसके), कोरेक्स (फाइजर), थायरोनॉर्म (ऐबट), अनवांटेड 72 (मैनकाइंड फार्मा) जैसे लोकप्रिय दवा ब्रांडों पर पड़ेगा। इन ब्रांडों की दवा बहुत अधिक बिकती हैं और उन्हें सालाना कारोबार या सालाना बिक्री के आधार पर ही छांटा गया है। बड़ी दवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि उद्योग इसके लिए तैयार है। जीएसके के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी इस बदलाव के लिए तैयार है और इसकी लागत को पहले ही शामिल कर लिया गया है। देश की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सन फार्मास्युटिकल्स ने भी इसके लिए तैयार होने की बात कही। हालांकि उद्योग सूत्रों ने कहा कि अतिरिक्त छपाई के कारण दाम 5 से 7 फीसदी बढ़ जाएंगे और इसकी वजह से बैच तैयार होने में भी देर हो सकती है। एक सूत्र ने कहा कि उद्योग राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) को इस मामले में अपनी चिंता पहले ही बता चुका है। हमने इस बात पर विचार करने का आग्रह किया है कि इस कदम से लागत बढ़ जाएगी और इनमें से ज्यादार दवाएं पहले ही मूल्य नियंत्रण के दायरे में हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से अधिकतर दवा ब्रांड बड़ी कंपनियों के हैं। इसलिए उद्योग को यह बदलाव लागू करने में देर नहीं लगनी चाहिए। गौरतलब है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मार्च में औषधि विभाग को ऐसे 300 दवा ब्रांड छांटने के लिए कहा था, जिनके लिए क्यूआर कोड अनिवार्य किए जा सकें। एनपीपीए ने ऐसे 300 ब्रांडों की सूची तैयार की थी, जिनमें खूब इस्तेमाल होने वाली दर्द निवारक, गर्भनिरोधक, विटामिन, मधुमेह और उच्च रक्तचाप की दवाएं आदि शामिल हैं। मंत्रालय ने 14 जून 2022 को जारी अधिसूचना के मसौदे में कहा था कि इन फॉर्मूलों से दवा बनाने वाली कंपनियां अपने प्राथमिक और द्वितीयक पैकेजिंग लेबल पर बार कोड या क्यूआर कोड छापेंगे अथवा चिपकाएंगे। इसमें वह जानकारी होगी, जिसे सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन की मदद से पढ़कर पता लगाया जा सकेगा कि दवा असली है या नहीं।

आजादपुर मंडी पहुंचे राहुल गांधी, सब्जी विक्रेताओं, मजदूरों से की बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार सुबह अचानक आजादपुर मंडी पहुंचे, जहां उन्होंने सब्जी विक्रेताओं और मौजूद मजदूरों से बातचीत की। जानकारी के अनुसार राहुल गांधी का यह दौरा अचानक ही हुआ, वह सभी को चौंकाते हुए सब्जी मण्डी पहुचे। उधर आजादपुर मंडी में अपने बीच राहुल गांधी को पाकर सब्जी विक्रेता और मजदूर चौंक गए। लोग उनके चारों तरफ आकर खड़े हो गए। गौरतब है कि राहुल गांधी आजादपुर मंडी में ऐसे समय पहुंचे हैं जब टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। बताया जा रहा है कि वह सुबह करीब 4 बजे मंडी पहुंचे और उन्होंने सब्जी विक्रेताओं और मजदूरों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। इसके पहले राहुल गांधी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक

वीडियो शेयर किया था। इसमें दिल्ली की आजादपुर मंडी में एक सब्जी विक्रेता रोते हुए दिख रहा था। वीडियो में सब्जी विक्रेता रामेश्वर ने आंसू भरी आंखों से कहा कि टमाटर बहुत महंगे हैं। मेरे पास इसे खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। परेशान किसान ने कहा, हमें यह भी पता नहीं है कि हम इसे किस कीमत पर बेच पाएंगे।

उनका कहना था कि अगर टमाटर बारिश में भीग गए या स्टॉक में कुछ हो गया, तो हमें नुकसान होगा।-विक्रेता ने कहा कि महंगाई ने उसे निराशाजनक स्थिति में डाल दिया है। वह प्रतिदिन 100-200 रुपये भी नहीं कमा सकते हैं। राहुल गांधी ने ट्विटर पर लिखा था, देश को दो वर्गों में बांटा जा रहा है। गौरतलब है कि महंगाई और टमाटर की बढ़ती कीमतों को लेकर पिछले कुछ समय से राहुल गांधी लगातार सरकार पर हमलावर रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने आरोप लगाया था कि बीजेपी सरकार पूंजीपतियों की संपत्ति बढ़ाने में लगी है। गरीब भोजन पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

8-10 अगस्त को लोकसभा में होगी अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

नई दिल्ली । कांग्रेस द्वारा नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 8-10 अगस्त को लोकसभा में चर्चा होगी। अविश्वास प्रस्ताव को 26 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया था। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा नियम 193 के तहत पेश किए गए प्रस्ताव में कहा गया है कि उन्हें केंद्रीय मंत्रिपरिषद पर कोई भरोसा नहीं है। एक बार जब लोकसभा अध्यक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव मिलने की घोषणा की, तब उन्होंने इस कदम का समर्थन करने वाले सांसदों की संख्या जानना चाहा। उन्होंने जब समर्थन करने वालों को खड़ा होने के लिए कहा तब सभी विपक्षी दलों के सदस्य खड़े हो गए, जिसमें कांग्रेस, वामपंथी, तृणमूल कांग्रेस, जद-यू, नेशनल कॉन्फ्रेंस, एनसीपी, आप, समाजवादी पार्टी और शिवसेना-यूबीटी के सांसद शामिल थे। अविश्वास प्रस्ताव पर जब लोकसभा में चर्चा शुरू होगी, तब इसकी शुरुआत गोगोई या कांग्रेस का कोई और सांसद करेगा। चर्चा के लिए आम तौर पर 10 से 12 घंटे का समय आवंटित होता है। यह प्रस्ताव कांग्रेस द्वारा लाया गया था, क्योंकि सरकार ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की इस मांग पर ध्यान नहीं दिया कि प्रधानमंत्री मोदी की संसद में आएं और मणिपुर में व्याप्त स्थिति पर बोलें, जो मई के पहले सप्ताह से ही जातीय हिंसा की चपेट में है।

पीएम मोदी को लोकमान्य तिलक पुरस्कार मिलने से सर्वोच्च नेतृत्व को मिलेगी मान्यता

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्वोच्च नेतृत्व को मान्यता देने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र के पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हो रहे हैं। आयोजकों ने इस सम्मान को लेकर बताया कि यह पुरस्कार उनके सर्वोच्च नेतृत्व को मान्यता देता है जिसके तहत भारत प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रहा है। इस पुरस्कार के बारे में बात करें तो यह पुरस्कार बहुत ही अहम है। जानकारी के अनुसार पीएम मोदी को मिलने जा रहे इस पुरस्कार की शुरुआत 1983 में तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट द्वारा की गई थी। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष लोकमान्य तिलक की पुण्य तिथि के अवसर पर प्रदान किया जाता है। मालूम हो कि लोकमान्य तिलक 20वीं सदी की शुरुआत में भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख व्यक्ति थे।

जानकारी के अनुसार बाल गंगाधर तिलक भारतीय स्वशासन (स्वराज्य) के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने जनता को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ट्रस्ट का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके असाधारण नेतृत्व और नागरिकों के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों की मान्यता में इस पुरस्कार के 41वें प्राप्तकर्ता के रूप में चुना गया है, जिसमें एक स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र शामिल है। संस्था के अध्यक्ष लोकमान्य के पड़पोते (प्रपौत्र) दीपक तिलक हैं। तिलक परंपरागत रूप से कांग्रेस समर्थक रहे हैं। लोकमान्य को वह व्यक्ति माना जाता है जो कांग्रेस को जनता तक ले गए। दीपक तिलक के पिता जयंतराव तिलक, जिन्होंने हिंदू महासभा से शुरुआत की, 1950 के दशक में कांग्रेस में चले गए और राज्यसभा सांसद और महाराष्ट्र राज्य विधान परिषद के अध्यक्ष बने।

अब तक जिन लोगों को यह पुरस्कार मिल चुका है उनमें सभी नामी हस्तियां शामिल हैं, पीएम मोदी से पहले यह पुरस्कार पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा और प्रणब मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह को भी दिया जा चुका है। इसके अलावा मशहूर व्यवसायी एन. आर. नारायणमूर्ति तथा 'मेट्रो मैन' ई. श्रीधरन को भी यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

आतंकी पन्नू ने पीएम मोदी, सीएम खट्टर व विज को दी जान से मारने की धमकी

सिरसा । आतंकी पन्नू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सीएम खट्टर व गृहमंत्री अनिल विज को जान से मारने की धमकी दी है। मिली जानकारी के अनुसार सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने अब हरियाणा के मंडी डबवाली में एसडीएम ऑफिस के बाहर खालिस्तानी झंडा लहरा दिया है। पन्नू ने एक वीडियो भी बना कर वायरल किया है, जिसमें उसने 15 अगस्त तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और हरियाणा गृहमंत्री अनिल विज को जान से मारने की धमकी दी है। पन्नू ने एसडीएम ऑफिस मंडी डबवाली में खालिस्तानी झंडा लगाने के अलावा वहां हरियाणा बनेगा खालिस्तान के नारे भी लिखे हैं। पन्नू ने अपनी वीडियो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर को राजनीतिक मौत देने की धमकी भी दे डाली है। लोग बता रहे हैं कि पन्नू पहले भी अपनी वीडियो जारी करके इस धमकी को बार-बार दोहराता आ रहा है, लेकिन इस बार पन्नू ने 15 अगस्त भारत के स्वतंत्रता दिवस तारीख भी बता दी है।

गाजीपुर केस से बरी होकर पप्पू यादव पर बोला हमला, सिर्फ सत्ता की भूखी हैं बीजेपी

गाजीपुर (एजेंसी)। बिहार के पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को 30 साल पुराने मामले में गाजीपुर की अदालत ने बरी कर दिया है। कोर्ट से बाहर आकर पप्पू यादव ने जहां विपक्षी दलों के गठबंधन का बचाव किया। वहीं, उन्होंने बीजेपी सरकार को जमकर निशाना साधा। यादव ने कहा बीजेपी सिर्फ कुर्सी से प्यार करती है। पप्पू यादव के कहा कि इन्होंने सबसे बड़ी अलगावावादी महबूबा मुफ्ती से समझौता किया। शरद पवार के भतीजे को अपने साथ ले लिया। देश, इंसान, लोकतंत्र संविधान इनके लिए कुछ नहीं। ये लोग रोजगार पर, बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलते हैं। ज्ञानवापी मस्जिद विवाद पर पप्पू यादव ने कहा कि वह लोग न्यायालय को सर्वोपरि मानते हैं। मामला न्यायालय में है। न्यायालय जो निर्णय देगा उस स्वीकार किया जाएगा। पप्पू यादव ने यूपी की योगी सरकार पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इन्हें सिर्फ दूसरी जाति के लोग ही गुंडे दिखते हैं। इनकी जाति में कोई गुंडा नहीं दिखता है। इस दौरान उन्होंने अब्बास अंसारी पर भी बयान दिया। किसी भी तहर से सत्ता में रहने के लिए प्रयासरत बीजेपी अब मुख्तार अंसारी बेटे के साथ राजनीति

करेगी। सत्तारूढ़ दल के लिए देश, संविधान, तहजीब आदि मायने नहीं रखता। इनके लिए सत्ता और कुर्सी मायने रखती है।

गौरतलब है कि गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने के तत्कालीन प्रभारी निरीक्षक बीएन सिंह ने 8 नवंबर, 1993 को केस दर्ज कराया था। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार के दो विधायक पप्पू यादव और उमेश पासवान के अपने विरोधी राजनीतिक दलों की चुनावी सभाओं में प्रवेश करने की सूचना मिली थी। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक उजियार घाट की तरफ से आ रहे 19 गाड़ियों पर सवार लोगों को रोका गया। इस पर यह लोग उग्र हो गए और चक्काजाम कर दिया। इस मामले में आचार संहिता का उल्लंघन का मुकदमा दर्ज हुआ था। सोमवार को दोनों तरफ की बहस सुनने के बाद न्यायालय ने सदेह का लाभ देते हुए सभी लोगों को दोषमुक्त कर दिया।

भारत एक विश्वसनीय वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण भागीदार के रूप में उभर रहा है: विदेश मंत्री एस.जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने तीन दिवसीय सेमीकॉनइंडिया 2023 सम्मेलन के अंतिम दिन अपने संबोधन में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत की भूमिका तथा इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर्स में राष्ट्र के विकास के महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने एक विश्वसनीय वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण भागीदार के रूप में भारत की बढ़ती उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में अमरीका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और समान विचारधारा वाले अन्य देशों के साथ आगामी अवसरों का सृजन बहुत महत्वपूर्ण है। तीन दिवसीय सेमीकॉनइंडिया 2023 सम्मेलन के अंतिम दिन उद्योग, स्टार्ट-अप, शिक्षा जगत और सरकार सहित विविध प्रतिभागियों ने भाग लिया। व्यावहारिक सत्रों और सार्थक वार्ताओं में सेमीकंडक्टर विनिर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं और एक

मजबूत, लचीला तथा स्थायी सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम का विकास सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के महत्व को दर्शाया गया है।

भारत वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य यानी सभी के लिए समान विकास और साझा भविष्य में मजबूती से विश्वास करता है। इसे ध्यान में रखते हुए एनएसएसीएस के सदस्य अंशुमन त्रिपाठी के नेतृत्व में विश्वसनीय और लचीली सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग विषय पर एक समर्पित पैनल चर्चा का आयोजन किया गया।

जातीय जनगणना पर हाई कोर्ट के फैसले का लालू ने किया स्वागत, तेजस्वी बोले- भाजपा इसे रोकना चाहती थी

पटना (एजेंसी)। पटना हाई कोर्ट ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। यह नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव वाली राज्य की महागठबंधन सरका की बड़ी जीत है। इन सबके बीच बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं को पटना हाईकोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने कहा कि हम हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। यह सिर्फ एक फैसला नहीं है बल्कि गरीबों के लिए फैसला है। इससे उनके लिए दरवाजे खुलेंगे।

राजद नेताओं ने क्या कहा

राजद प्रमुख ने कहा कि उनके सर्वेक्षण के बाद, उनकी आर्थिक स्थिति का पता चलेगा और उस आधार पर सरकार उनके लिए योजनाओं का मसौदा तैयार करेगी और इससे विकास के द्वार खुलेंगे। मैं ष्टरू और तेजस्वी यादव को धन्यवाद देता हूं, उन्होंने कड़ी मेहनत की। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक फैसला है। हाईकोर्ट ने महागठबंधन सरकार के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी है। यह स्वागत योग्य निर्णय है। यादव ने साफ तौर पर कहा कि हमारी लड़ाई समाज के पिछड़े लोगों को मुख्यधारा में लाने की है। जब जाति आधारित सर्वेक्षण होगा, तो स्पष्टता आएगी और उसी आधार

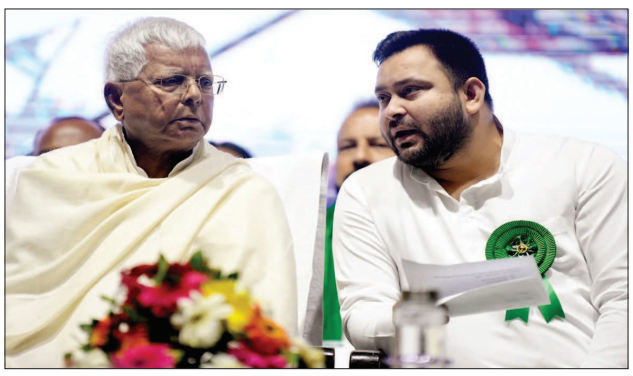

पर सरकार योजनाएं बनाएगी और उन तक सुविधाएं पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जातिगत जनगणना को रोकना चाहती थी। मैं ऐसा करने के लिए मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव को धन्यवाद देता हूं।

हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

पटना उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण कराने के बिहार सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं। वास्तव में, उच्च न्यायालय ने राज्य में जाति-आधारित सर्वेक्षण का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी की पीठ ने जाति-आधारित सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली विभिन्न याचिकाओं पर फैसला सुनाया। अधिवक्ता दीनू कुमार ने कहा कि जज ने ये फैसला सुनाया कि बिहार सरकार के जाति आधारित सर्वे को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज कर दी गई हैं। वह इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। हालांकि, यह नीतीश सरकार की बड़ी जीत है।

इस बार बिहार में 48 फीसदी कम हुई बारिश, धान फसल बिगड़ने की कगार पर

पटना (एजेंसी)। देशभर में बारिश के अलग-अलग आंकड़े हैं। बिहार में इस मानसून सीजन के दौरान अब तक 48 फीसदी कम बारिश हुई है। यह बहुत ही निराशाजनक है। क्यों?कि धान उत्पादक किसानों की चिंता बढ़ने लगी है। विशेषज्ञ बता रहे हैं कि यह देश के किसी भी राज्य में हुई दूसरी सबसे कम बारिश है। इस बार देश में कुल मिलाकर सामान्य से 5 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। चार महीने के मानसून सीजन ने सोमवार को आधी यात्रा पूरी कर ली। केवल मणिपुर में 50 फीसदी से कम बारिश दर्ज की गई। कम बरसात को लेकर मणिपुर अभी टॉप पर है तो दूसरे नंबर बिहार है। कम बारिश के चलते किसानों की मुश्किल बढ़ी हुई है। खास तौर से धान की खेती प्रभावित हुई है। इस मॉनसून सीजन में बिहार के किसी भी जिले में अतिरिक्त बारिश दर्ज नहीं हुई है। जबकि राज्य में सीतामढ़ी जिला ऐसा रहा जहां 82 फीसदी कम बारिश हुई है।

पटना मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक आशीष कुमार नेबताया कि आईएमडी ने पहले ही जुलाई में बिहार में सामान्य से कम बारिश की भविष्यवाणी की थी। मानसून ट्रफ लाइन की दक्षिण की ओर स्थिति के कारण उत्तर बिहार में भी बारिश कम हुई है। यह बेहतर हो सकता था कि अगर ट्रफ लाइन हिमालय की तलहटी की ओर होती। राज्य में कम बारिश ने धान किसानों को मुसीबत में डाल दिया है। सूत्रों के अनुसार, राज्य में कूल धान रोपनी की स्थिति लगभग 50 फीसदी ही है, यहां तक कि बुआई का अहम फेज एक पखवाड़े में समाप्त हो जाएगा। हालांकि, कृषि विभाग के संयुक्त सचिव अनिल कुमार झा ने दावा किया कि अगस्त में मानसून की बारिश फिर से शुरू होने का पूर्वानुमान है। ऐसे में धान रोपनी की प्रक्रिया फिर शुरू हो सकती है। हालांकि अगले 15-20 दिनों में बारिश की कमी रहने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

इधर आईएमडी ने 6 अगस्त तक बिहार में जोरदार बारिश का अनुमान जताया है। अभी मानसून ट्रफ लाइन का पश्चिमी छोर हिमालय की तलहटी के करीब चल रहा था और इसका पूर्वी छोर दरभंगा, देवघर और बंगाल की उत्तरी खाड़ी से होकर गुजर रहा था। ट्रफ लाइन की अनुकूल स्थिति के अलावा, बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र भी बना है, जिसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और इलाके में बारिश होने के पूरे चांसेज है।

संयुक्त राष्ट्र व सुरक्षा परिषद ने की पाक में आत्मघाती हमले की निंदा

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र व सुरक्षा परिषद के नेताओं ने पाकिस्तान में हुए आत्मघाती हमले की तीखी निंदा की है। यह हमला जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में हुआ था। जिसमें आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया गया था। घटना में 54 लोगों की जान चली गई थी। ध्रुवीकृत परिषद ने एकता दिखाते हुए एक प्रेस बयान जारी कर खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर में रविवार को हुए जघन्य और कायरतापूर्ण आत्मघाती आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। परिषद ने कहा कि हमने आतंकवाद के इन निंदनीय कृत्यों के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और महासभा के अध्यक्ष सीसाबा कोरोसी ने भी हमले की निंदा की। कोरोसी ने कहा कि मैं अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आतंकवाद के संकट से निपटने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के अपने प्रयासों को मजबूत करने का आग्रह करता हूं। इस दौरान महासचिव के प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि गुटेरेस पाकिस्तानी अधिकारियों से जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाने का आह्वान करते हैं और आतंकवाद के सभी उदाहरणों और नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर लक्षित हमलों की निंदा करते हैं। बता दें कि खुरासान प्रांत के आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

पुतिन के बाद बाइडेन दिखे शर्टलेस, समुद्र तट पर धूप सेंकते नजर आए

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शर्टलेस तस्वीरें इंटरनेट पर मौजूद हैं। लेकिन इस बार अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की शर्टलेस फोटो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है। उन्होंने अपनी शर्ट बीच पर उतारी, जाहिर है वह बस अपने शरीर को सूरज की किरणों से सेंकना चाहते थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 80 वर्षीय अमेरिकी राष्ट्रपति की अपने डेलावेयर स्थित घर के पास समुद्र तट पर शर्टलेस होकर धूप सेंकते हुए ली गई एक तस्वीर सोमवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। बाइडेन इनदिनों छुट्टियां मना रहे एक पत्रकार द्वारा यह तस्वीर पोस्ट की गई। तस्वीरों के पोस्ट होने का बाद ही यह वायरल हो गईं। तस्वीर में बाइडन को लंबी नीली तैराकी ट्रंक, नीले टेनिस जूते, एक पीछे की ओर बेसबॉल टोपी, धूप के चश्मे के साथ देखा गया। पत्रकार ने लिखा, राष्ट्रपति बाइडन यहां रेहोबोथ में एक खूबसूरत समुद्र तट पर आनंद ले रहे हैं।

मॉस्को में फिर किए गए ड्रोन से हमले

मॉस्को । मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि राजधानी में एक इमारत पर ड्रोन से हमला किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी इमारत पर तीन दिन पहले भी हमला हुआ था। मेयर के हवाले से बताया, मास्को में उड़ान भरने की कोशिश कर रहे कई ड्रोनों को (हमारी) वायु रक्षा ने मार गिराया। एक (मास्को) शहर में पिछली बार (रविवार) की तरह उसी टॉवर में गिरा। इसमें 17वीं मंजिल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ताजा ड्रोन हमला राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की द्वारा ये कहने के दो दिन बाद हुआ कि युद्ध धीरे-धीरे रूस में लौट रहा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रविवार को तीन ड्रोन रोके गए, लेकिन राजधानी के पश्चिम में एक शॉपिंग कॉम्पलेक्स प्रभावित हुआ। मीडिया के अनुसार, 50 मंजिला इमारत की पांचवीं और छठी मंजिल क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इस बीच, ड्रोन हमलों के जवाब में रूस ने भी हमले तेज कर दिए हैं। सोमवार को, राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के गृहनगर क्रिवी रिह पर रूसी मिसाइल हमलों में एक बच्चे सहित कम से कम छह लोग मारे गए। मंगलवार तड़के यूक्रेनी अधिकारियों द्वारा पूर्वोत्तर शहर खार्किव पर भी हमले की सूचना मिली थी।

घरवालों से छिपाकर रखे लाखों रुपये, कीड़ों ने खाकर कर दिए बर्बाद

कुआलालंपुर । एक महिला ने घरवालों की नजर बचाकर लाखों रुपए एक बॉक्स में सेव किए थे, लेकिन जब वह गिनने बैठी तो देखा कि उसके लाखों रुपयों को कीड़ों ने खाकर रद्दी बना दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये मामला मलेशिया का है, जहां एक बुजुर्ग महिला के साथ कुछ अलग ही कांड हो गया। घर में मम्मी या दादी को पैसे छिपाकर कहीं डिब्बों तो कभी बेड बॉक्स में रखते हुए जरूर देखा होगा। ये महिला भी ऐसा ही कर रही थी और उसने अच्छा-खासा फंड भी इकट्ठा कर लिया था। अब इसे उसकी बुरी किस्मत कहें या कुछ और, महिला के सारे पैसे रद्दी में बदल गए। मलेशिया के रहने वाले एक शख्स खैरुल अज़हर ने फेसबुक पर अपनी दादी के साथ हुई इस घटना के बारे में बताया है। खैरुल अज़हर केलांटन का रहने वाला है। उसने बताया कि उसकी दादी साल 2024 में मक्का की धार्मिक यात्रा करना चाहती थीं। उन्होंने इसके लिए 5 लाख रुपये से ज्यादा की रकम सेव करके रखी हुई थी। उनके ये पैसे बैंक में नहीं बल्कि घर के अंदर एक कार्डबोर्ड के बॉक्स में रखे हुए थे। जब उन्होंने ये बॉक्स खोला तो अंदर उन्हें नोट नहीं बल्कि कटे-फटे हुए रद्दी के टुकड़े मिले। दरअसल उनके नोटों को रखे-रखे कीड़े खा चुके थे और उनकी लगभग सारी सेविंग बर्बाद हो गई थी। पोते ने पोस्ट के साथ मज़ाक में लिखा कि शायद किस्मत उन्हें ये बता रही थी कि उन्हें अभी मक्का नहीं जाना है। वैसे लड़के ने अपनी दादी के बचे हुए नोटों को बैंक में जमा कराया है, ताकि वो बदले जा सकें। उसकी इस पोस्ट को 650 बार शेयर किया गया है और 260 कमेंट्स मिले हैं। ज्यादातर लोगों ने महिला के प्रति सहानुभूति दिखाई है, जबकि बहुत से लोगों ने इस तरह चोरी से पैसे रखने को उसकी गलती करार दिया है।

कोरोना पर चीन नहीं छुपता जानकारी, तब बच सकती 6 लाख लोगों की जान

बीजिंग । दुनिया जानती है कि चीन ने साल 2019 में किस तरह से कोविड-19 के प्रकोप को छिपाने की कोशिशें की थीं। अब एक स्टडी में दावा किया गया है कि अगर चीन ने महामारी को छिपाने का प्रयास नहीं किया होता, तब छह मिलियन यानी 6 लाख कोविड पीड़ित आज जिंदा होते। स्टडी की मानें तब चीन के सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने दुनिया को खतरे के बारे में पता चलने से कम से कम पांच दिन पहले ही वायरस के जेनेटिक कोड का पता लगा लिया था। शोधकर्ता का दावा है कि चीन को पहले ही वायरस के जीनोम सीक्वेंसिंग के बारे में जानकारी मिल चुकी थी। चैनल की शुरुआत फरवरी में नेचर मेडिसिन पेपर के आर्टिकल पर चर्चा करने के लिए की गई थी। रिसर्च में सोर्स-सीओवी-2 के जीनोम का विश्लेषण किया गया है। इससे निष्कर्ष निकाला है कि यह प्रयोगशाला में नहीं बना था और न ही इसमें कोई हेरफेर किया गया था। नवंबर 2019 में चीन के वुहान में लोग बीमार पड़ने लगे। चीन ने उस साल 26 दिसंबर को जीनोम अनुक्रम की पहचान की थी। लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) को 31 दिसंबर को कोरोना महामारी के बारे में पता चला। अगले तीन सप्ताह तक इसके इनफेक्शन के बारे में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी नहीं मिल सकी थी। चीन ने जनवरी 2020 के मध्य में डब्ल्यूएचओ के सामने इस बात से भी इनकार कर दिया था कि बीमारी इंसान से इंसान में फैल सकती है। ऐसा कहा जाता है कि अगर चीन ने जल्द ही कोई एक्शन लिया होता, तब वैश्विक स्तर पर कोविड से सात मिलियन मौतों को 95 फीसदी तक कम किया जा सकता था। लेकिन चीन डेटा साझा करने वाले अधिकारियों पर नियंत्रण करने और बीमारी के बारे में बताने वाले डॉक्टरों को चुप कराने में लगा रहा। नए सबूतों से साफ है कि वुहान से निकली महामारी को छुपाने के लिए चीन ने किस कदर कोशिशें की हैं। चीन आज भी इस बात को मानने से इनकार कर देता है कि कोरोना वायरस उसकी किसी सीक्रेट बायो लैब से लीक हुआ था। साल 2019 में चीन से निकली इस महामारी की वजह से दो साल तक दुनिया डर और दहशत के साए में थी। आज भी कोविड-19 का असर पूरी दुनिया पर देखा जा सकता है।

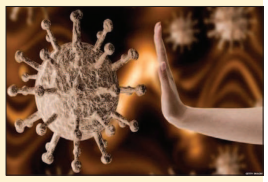

निकोसिया में राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडयूलाइटस यूनान के प्रधानमंत्री का राष्ट्रपति भवन पहुंचने पर स्वागत करते हुए।

मस्क ने घृणास्पद ट्वीट बढ़ने की बात कहने वाले अनुसंधानकर्ताओं पर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी

वाशिंगटन। पहले ट्विटर के नाम से पहचाने जाने वाली माइक्रोब्लॉगिंग साइट 'एक्स' ने स्वतंत्र अनुसंधानकर्ताओं के उस समूह पर मुकदमा दर्ज कराने की धमकी दी है जिन्होंने अपने अनुसंधान में एलन मस्क द्वारा इस सोशल मीडिया मंच को पिछले साल खरीदे जाने के बाद से इस पर घृणा भाषण बढ़ने की बात कही है। सोशल मीडिया मंच की पैरवी करने वाले एक वकील ने 20 जुलाई को 'सेंटर फॉर काउंटरिंग डिजिटल हेट' (सीसीडीएच) को पत्र लिखकर घृणा भाषण तथा कॉन्टेंट मॉडरेशन में गैर-लाभकारी संगठन के अनुसंधान पर कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दी। कॉन्टेंट मॉडरेशन उपयोगकर्ता-जनित सामग्री के लिए तय नियमों और दिशानिर्देशों को लागू करने पर नजर रखने की प्रक्रिया है ताकि यह निर्धारित किया जा सके कि संचार (विशेष रूप से कोई पोस्ट) स्वीकार्य है या नहीं। पत्र में आरोप लगाया गया है कि ऐसा लगता है कि सीसीडीएच का अनुसंधान ''उत्तेजक दावे करके मंच से विज्ञापनदाताओं को दूर कर ट्विटर के कारोबार को नुकसान'' पहुंचाना चाहता है। सीसीडीएच एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसके अमेरिका तथा ब्रिटेन में कार्यालय हैं। वह आए दिन एक्स, टिकटॉक या फेसबुक जैसे सोशल मीडिया मंचों पर घृणा भाषण, चरमपंथ या नुकसानदायक बर्ताव पर रिपोर्ट प्रकाशित करता रहता है। सेंटर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी इमरान अहमद ने सोमवार को बताया कि उनके समूह को सोशल मीडिया, घृणा भाषण तथा चरमपंथ के बीच संबंध का अध्ययन करने के इतिहास के बावजूद किसी भी प्रौद्योगिकी कंपनी से कभी ऐसी प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

नहीं बाज आ रहा खालिस्तान, कनाडा में जारी है भारत विरोधी अभियान, ब्रिटिश कोलंबिया में लगाए 'वांटेड' वाले पोस्टर

(एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस पर देश में भारतीय मिशनों को घेरने की अपनी धमकी से पहले कनाडा में खालिस्तान समर्थक तत्वों ने ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में भारत के सबसे वरिष्ठ राजनयिकों के खिलाफ अपना पोस्टर अभियान जारी रखा। 'वांटेड' शब्द के साथ पोस्टरों की नई श्रृंखला सरे शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाई गई थी। पहले 'किल इंडिया' पोस्टरों की तरह, विभिन्न स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों के वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए और इन्हें पाकिस्तान-आधारित या पाकिस्तान-समर्थक हैंडल द्वारा प्रचारित किया गया था, जिनमें से कई को बनाया गया था।

पोस्टरों के नवीनतम बैच में ब्रिटिश कोलंबिया में अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का जिक्र है। निज्जर की 18 जून को सरे में गुरु नानक सिंह गुरुद्वारा साहिब की पार्किंग में हत्या कर दी गई थी। एसएफजे ने उनकी 'हत्या' के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया है। इंटीग्रेटेड होमिसाइड इन्वेस्टिगेशन टीम या इन्वेस्टिगेशन टीम (आईएचआईटी), जो हत्या की जांच कर रही है, ने हत्यारों की तलाश करते समय कोई मकसद नहीं बताया है।

इसी तरह के कई पोस्टर पिछले महीने ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में विभिन्न स्थानों पर दिखाई दिए थे, एसएफजे द्वारा 16 जुलाई को क्षेत्र के एक गुरुद्वारे में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का नवीनतम दौर आयोजित करने से पहले। ब्रैम्पटन शहर ने कहा था कि वे पोस्टर अवैध रूप से लगाए गए थे। सरे, बीसी स्थित फ्रेंड्स ऑफ कनाडा एंड इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष मनिंदर गिल ने कहा कि उनके संगठन ने पोस्टरों की 'कड़ी निंदा' की और कहा कि शहर को उन्हें प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं देनी चाहिए क्योंकि उन्होंने नगरपालिका उपनियमों का उल्लंघन किया है।

चुनाव में वोट जुटाने किया फोन, जॉर्जिया अदालत द्वारा ट्रंप पर तय हो सकते हैं आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने के लिए जो हथकंडे अपनाये थे, अब उनकी हकीकत सामने आ रही है। अदालत में उनपर कई आरोप लग रहे हैं। जानकारी के अनुसार इस समय ट्रंप कई विवादों में फंसे हुए हैं। इसी बीच, गोपनीय दस्तावेजों पर कब्जा जमाने के मामले में ट्रंप अदालत में पेश हुए। जॉर्जिया की जांच 2 जनवरी, 2021 को ट्रम्प द्वारा जॉर्जिया के राज्य सचिव ब्रैड रैफेंसपर्गर, एक साथी रिपब्लिकन को किए गए फोन कॉल से प्रेरित हुई थी। ट्रम्प ने सुझाव दिया कि राज्य के शीर्ष चुनाव अधिकारी उन्हें राज्य में डेमोक्रेट जो बाइडेन से आगे रखने के लिए आवश्यक वोटों को जुटाने में मदद कर सकते हैं। ट्रम्प को कॉल की रिकॉर्डिंग पर यह कहते हुए सुना जाता है, मैं बस इतना करना चाहता हूं कि जैसे भी हो सिर्फ 11,780 वोट जुटाना चाहता हूं, जो हमारे पास से एक अधिक है। ट्रम्प ने जोर देकर कहा है कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और बार-बार कहा है कि कॉल बिल्कुल सही थी। ट्रम्प ने 2020 के चुनाव में अपनी हार को पलटने की कोशिश में राज्य के अन्य शीर्ष अधिकारियों को भी बुलाया, जिनमें गवर्नर ब्रायन केम्प, तत्कालीन हाउस स्पीकर डेविड रालस्टन, अटॉर्नी जनरल क्रिस कैर आदि शामिल थे।

गौरतलब है कि दक्षिण कैरोलिना रिपब्लिकन, अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम को नवंबर चुनाव के तुरंत बाद रैफेंसपर्गर भी कहा जाता था। रैफेंसपर्गर ने उस समय कहा था कि ग्राहम ने पूछा था कि क्या उनके पास कुछ अनुपस्थित मतपत्रों को अस्वीकार करने की शक्ति है, जिसे रैफेंसपर्गर ने कहा है कि उन्होंने कानूनी रूप से डाले गए वोटों को खारिज करने के सुझाव के रूप में व्याख्या की है। ग्राहम ने गलत काम करने से इनकार किया है और कहा है कि वह सिर्फ हस्ताक्षर सत्यापन प्रक्रिया के बारे में जानना चाहता था। बाइडेन ने जॉर्जिया में 12,000 से भी कम वोटों के अंतर से जीत हासिल की। चुनाव के ठीक एक महीने बाद, 14 दिसंबर, 2020 को, 16 जॉर्जिया डेमोक्रेटिक मतदाताओं के एक समूह ने उनके लिए राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के वोट डालने के लिए राज्य कैपिटल में सीनेट कक्ष में मुलाकात की। उनमें से प्रत्येक ने कागजी मतपत्रों को चिह्नित किया जिनकी गिनती की गई और वॉयस रोल कॉल द्वारा पुष्टि की गई।

संसद के सामने फिर जलाई कुरान, पन्ने फाड़कर किया किताब का अपमान

-स्वीडन में किए जा रहे विरोध प्रदर्शन से दुनियाभर के मुस्लिम देश हो रहे नाराज

स्टॉकहोम (एजेंसी)। स्वीडन में इन दिनों कुरान फाड़कर जलाने की लगातार घटनाएं सामने आ रही हैं। यहां से एक बार फिर पवित्र कुरान के अपमान करने की खबर से दुनियाभर के मुस्लिम देश नाराज हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार को स्टॉकहोम में स्वीडन की संसद के बाहर दो प्रदर्शनकारियों ने कुरान के पन्ने फाड़े और उन्हें जला दिया। हाल के हफ्तों में यह तीसरा जब?कि स्वीडन के प्रधानमंत्री की ओर से चेतावनी देने के बाद यह पहला प्रदर्शन है। जब पीएम ने कहा था कि इस्लाम की पवित्र पुस्तक का अपमान करके प्रदर्शनकारी स्वीडन को आतंकवाद का बड़ा टार्गेट बना रहे हैं। इस्लामिक सहयोग संगठन (आईओसी) ने सोमवार को बार-बार कुरान के अपमान पर स्वीडन और डेनमार्क की प्रतिक्रिया की आलोचना की। सोमवार को सलवान मोमिका और सलवान नजेम नाम के शख्स ने संसद के बाहर पवित्र कुरान का अपमान किया। इसके बाद उन्होंने किताब के कुछ पन्ने जला दिए। गौरतलब है कि मोमिका एक ईसाई इराकी शरणार्थी है। दोनों ने पहले भी ईद-उल-अजहा के मौके पर स्टॉकहोम की ग्रैंड मस्जिद के बाहर कुरान की प्रति जलाई थी। इस घटना पर दुनिया भर के मुस्लिम देशों ने नाराजगी जाहिर की थी। कई देशों में इस घटना के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन भी किए थे।

राष्ट्रपति पुतिन ने दुनिया को दिखाई अपनी नौसेना की ताकत

- इस साल 30 नए युद्धपोतों को शामिल करने का ऐलान

मास्को (एजेंसी)। यूक्रेन में चल रहे युद्ध के बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूसी नौसेना की जमकर तारीफ की है। पुतिन ने नौसेना के महाविनाशक युद्धपोतों और परमाणु हथियारों से लैस सबमरीन का दुनिया के सामने प्रदर्शन किया। साथ ही ऐलान किया कि इस साल 30 नए युद्धपोतों को शामिल किया जाएगा। रूसी युद्धपोतों की इस वार्षिक परेड के दौरान अफ्रीकी देशों के नेता भी मौजूद थे। रूस के नेवी डे मौके पर आयोजित वार्षिक परेड में 45 युद्धपोतों ने हिस्सा लिया। रूस ने परेड फिनलैंड की खाड़ी और सेंट पीटर्सबर्ग में नेवा नदी पर आयोजित किया गया। इसके अलावा रूसी जमीन पर 3000 नौसैनिकों ने परेड में हिस्सा लिया। पुतिन के साथ परेड में रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और नेवी चीफ एडमिरल निकोलाई येवमेनोव भी हिस्सा लिया। पुतिन ने कहा कि आज रूस पूरे आत्मविश्वास के साथ हमारी राष्ट्रीय समुद्री नीति की चुनौती का क्रियान्वयन कर रहा है।

पुतिन ने कहा कि देश सतत तरीके से हमारी नौसेना की क्षमता को बढ़ा रहा है। इस साल अकेले 30 नए युद्धपोतों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने अपने भाषण में यूक्रेन में चल रहे विशेष सैन्य अभियान का कोई जिक्र नहीं किया। परेड के दौरान अफ्रीकी देशों के 4 राष्ट्राध्यक्ष शामिल थे। इसके अलावा 5 अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। रूस ने यह शक्ति प्रदर्शन उस समय पर किया है, जब यूक्रेन में चल रहा युद्ध दूसरे साल में प्रवेश कर गया है। वहीं रूस की सेना ने रविवार को मास्को के पास यूक्रेन के 3 ड्रोन को मार गिराया था। यूक्रेन युद्ध में रूस की नौसेना ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। रूस ने युद्धपोतों और सबमरीन से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइलों की मदद से यूक्रेन में भारी तबाही मचाई है।

चीन ने अंतरिक्ष में भेजे 136 पौधों के बीज

- 12 अनाज की फसलों के और 28 नकदी फसल के बीज भेजे गए

बीजिंग (एजेंसी)। चीन आज के समय स्पेस में अपनी पहुंच बढ़ाने में लगा हुआ है। अमेरिका को टक्कर देते हुए चीन अपना स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में तैनात कर रहा है। इसके अलावा वह नए-नए तरह के प्रयोग अंतरिक्ष में कर रहा है। चीन के अधिकारियों ने खुलासा किया है कि शेनझोउ 16 मिशन के तहत स्पेस में 100 से ज्यादा पौधों के बीज तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर भेजे गए हैं। चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी के मुताबिक मई के अंत में तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन में 136 बीज और पौधों की जेनेटिक सामग्री अंतरिक्ष में भेजी गई जो 53 संस्थानों से आए थे। इनमें 47 फसलें शामिल थीं, जिनमें 12 अनाज की फसलों के बीज और 28 नकदी फसल के बीज थे। इसके अलावा वन पौधों, घास, फूलों और औषधीय पौधों की 76 प्रजातियां भी स्पेस में भेजी गई थी। कृषि और औद्योगिक सूक्ष्मजीवों, खाद्य कवक, शैवाल और काई समेत अन्य 13 सूक्ष्मजीव भी कक्षा में भेजे गए। चीन दशकों से अंतरिक्ष प्रजनन से जुड़े प्रयोग में लगा हुआ है, जिसकी शुरुआत 1980 के दशक से ही कर दी गई थी। इसी तरह के प्रयोग अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर भी किए जा रहे हैं।

चीन ने 2022 में तियांगोंग स्पेस स्टेशन का निर्माण पूरा कर लिया है।

वर्तमान में शेनझोउ 16 अंतरिक्ष यान पर सवार होकर एक दल इसकी कक्षा में पहुंचा है। यह चीन की ओर से अंतरिक्ष स्टेशन में इंसानों को भेजने का पांचवा मिशन है। शेनझोउ 15 के क्रू मेंबर जून में धरती पर वापस लौटे थे। लौटने के बाद वह पहली बार चीन के मीडिया के सामने आए। इस मिशन में तीन अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन में गए थे। चीन चांद पर भी पौधे उगा चुका है। चीन ने चांग ई-4 स्पेसक्राफ्ट के जरिए चांद पर पौधों वाला एक बॉक्स भेजा था। यह पहली बार था जब चांद पर कोई जैविक पदार्थ भेजा गया था। चीन यहां पर पौधों को उगाने में कामयाब हो गया था। कपास के बीज को एक खास तरह के डिब्बे में भेजा गया था। वहीं, नासा के स्पेस स्टेशन में कई पत्तेदार सब्जियां और पौधे उगाए जा चुके हैं। लेकिन नासा ने अभी तक चांद पर ऐसा कुछ नहीं किया था।

3 जंगों से सिर्फ गरीबी और तबाही मिली, पाकिस्तान ने भारत को बातचीत का दिया ऑफर

(एजेंसी)। पैसे पैसे को मोहताज लोन के सहारे अपने को चलाने वाले मुल्क पाकिस्तान को मुफलिसी में भारत की याद आई है। आतंक को पनाह देने वाले पाकिस्तान को अपने बुरे दिनों में भारत की याद आई है। पाकिस्तान की स्थिति किसी से छिपी नहीं है, इसलिए उसे भारत से दोस्ती में ही भलाई दिख रही है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत से बातचीत का ऑफर दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि पिछले 75 सालों में हमने 3 जंग लड़ी, जिसने दोनों देशों को गरीबी, बेरोजगारी और तबाही के सिवा कुछ नहीं दिया। शहबाज शरीफ ने कहा कि हम भारत से बातचीत को तैयार हैं। हम चाहते हैं कि भारत के साथ हमारी बातचीत हो। रिश्तें अच्छें हो। हम गरीबी में हैं, मुफलिसी में हैं। हम तीन युद्धों में बहुत कुछ खो चुके हैं और हमें गरीबी और तबाही के अलावा कुछ नहीं मिला है।

युद्ध अब कोई विकल्प नहीं

पीएम शहबाज ने मंगलवार को पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी भारत के साथ सहयोग करने की अपनी इच्छा दोहराई और इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान किसी के खिलाफ कुछ भी नहीं रखता है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण संबंधों के इतिहास और 1947 में उनकी आजादी के बाद से तीन युद्धों के बावजूद, प्रधानमंत्री मूल्यवान जुड़ाव को बढ़ावा देना चाहते हैं। शहबाद के कश्मीर से धारा 370 हटाने का जिक्र करते हुए कहा कि हालाँकि, अगस्त 2019 में अधिकृत जम्मू और कश्मीर की विशेष स्थिति को रद्द करने के भारत के फैसले के बाद से द्विपक्षीय संबंध गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच राजनयिक बातचीत में एक आभासी ठहराव आ गया है। हर किसी के साथ बात करने के लिए तैयार हैं, यहां तक कि अपने पड़ोसी के साथ भी, बशर्ते कि पड़ोसी मेज पर गंभीर मुद्दों पर बात करने के लिए गंभीर हो क्योंकि युद्ध अब कोई विकल्प नहीं है।

75 साल में 3 युद्ध लड़े

संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के साथ काम करने पर प्रधान मंत्री की टिप्पणी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत के उल्लेख के बाद आई। प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति है - एक आक्रामक के रूप में नहीं बल्कि अपने रक्षा उद्देश्यों के लिए। उन्होंने उल्लेख किया कि देश ने पिछले 75 वर्षों में भारत के साथ तीन युद्ध लड़े हैं, जिसके परिणामस्वरूप केवल गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा, स्वास्थ्य और लोगों की भलाई के लिए संसाधनों की कमी बढ़ी है।

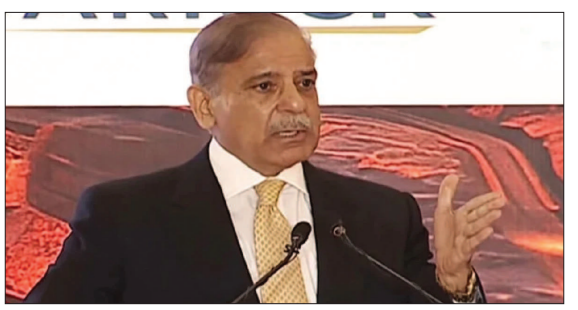

सीमा-अंजू की प्रेम कहानी में पाकिस्तान की चाल तो नहीं

आर.के. सिन्हा

हर हालत में भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों को यह गहराई से जांच कर पता लगाना चाहिए कि सीमा कैसे भारत आ गई और अंजू भारत से पाकिस्तान कैसे चली गई। इन दोनों के कथित प्रेम के पीछे का सच सामने आना ही चाहिए। पाकिस्तान हमें बार-बार नुकसान पहुंचाता रहा है। वहां पर आम लोगों की जिंदगी कठिन होती जा रही है। राजनीतिक अस्थिरता और महंगाई के कारण आम इंसान का जीना मुश्किल हो गया है। इसलिए वहां की जनता सड़कों पर आने को बेताब है। इस सच्चाई से पाकिस्तान सरकार अवगत है। इसलिए वह कुछ इस तरह का हथकंडा अपना सकती है कि पाकिस्तान की जनता को उसके मूल सवालों से भटकाया जा सके।

आजकल सोशल मीडिया पर सीमा और अंजू की मोहब्बत से जुड़ी कहानियों को चटकारे लगाकर पेश किया जा रहा है। पर इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि कहीं इन दोनों के कथित इश्क में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियों का कोई रोल तो नहीं है। ये आप सभी जानते हैं कि सीमा एक पाकिस्तानी महिला है। उसका ग्रेटर नोएडा के सचिन नाम के नौजवान से सोशल मीडिया पर इश्क का परवान चढ़ा तो वो अपना वतन और शौहर को छोड़कर नेपाल होते हुए अपने प्रेमी के पास आ गई। वो अपने साथ अपने बच्चों को भी ले आई। उधर, राजस्थान के भिवाड़ी में रहने वाली दो बच्चों की मां अंजू पाकिस्तान चली गई अपने प्रेमी से मिलने। वहां उसने निकाह के बाद इस्लाम धर्म को कुबूल भी कर लिया। अब अंजू हो गई है फातिमा। अंजू की फेसबुक के जरिये पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वाह प्रान्त में रहने वाले 29 साल के नसरूल्लाह से दोस्ती हुई थी, यह बताया जा रहा है ।

अब यहां हम बात करेंगे उस बड़े सवाल की, जिसकी तरफ ध्यान देने की जरूरत है। पहले बात सीमा की। सीमा बिना किसी पासपोर्ट या वीजा के नेपाल के रास्ते भारत आ गई। एक बार हम यह मान भी लेते हैं कि वह पाकिस्तान की किसी खुफिया एजेंसी से संबंध नहीं भी रखती होगी। पर एक दुश्मन देश की नागरिक का अपने चार छोटे बच्चों के साथ नेपाल से बिना किसी अवरोध या मदद के या गतिरोध ग्रेटर नोएडा तक आसानी से पहुंचना गंभीर सवाल तो खड़े करता ही है। इसी तरह से नेपाल के रास्ते पाकिस्तान के आतंकवादियों को भारत में कत्लेआम मचाने के लिए भी तो भेजा जा सकता है। पाकिस्तान ने 2008 में मुंबई में यही तो किया था। उसके बाद मुंबई हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई।

26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने समुद्री मार्ग से मुंबई में प्रवेश किया और अचानक मुंबई के बाजार और चौराहों पर हमला कर दिया। उस आतंकी हमले में सैकड़ों लोगों की जान चली गई और हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति तबाह हो गई। इसके बावजूद पाकिस्तान में उस हमले के मास्टर माइंड खुलेआम घूम रहे हैं। अगर कोई सोच रहा है कि मुंबई हमलों के बाद सब कुछ शांत हो गया था, तो वे फिर पठानकोट और उसके बाद उरी की घटनाओं को भी जरा याद कर लें। कहने का मतलब यह है कि हमें जागना होगा। हमें याद रखना होगा कि पाकिस्तान किसी भी रास्ते से भारत की पीठ पर वार कर सकता है। क्या यह संभव नहीं है कि पाकिस्तान की ही खुफिया एजेंसियों ने ही सीमा को भारत में भेजा हो ताकि टोह ली जा सके कि हमारे निगाहबान कितने सतर्क हैं?

अब बात कर लेन अंजू से फातिमा बनी महिला की। यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि उसे मजे-मजे में पाकिस्तान का वीजा कैसा मिल गया। पाकिस्तान की एंबेसी से भारतीय नागरिकों को बहुत कम वीजा ही मिलते हैं। आप कभी पाकिस्तान की एंबेसी के गेट के बाहर जाकर खुद देख लें। उनका वीजा देने वाला गेट नेहरू पार्क की तरफ है। वहां पर बुजुर्ग मुसलमान वीजा के लिए सुबह से शाम तक बैठे होते हैं। वे सरहद के उस पार अपने करीबियों को मिलने जाना चाहते हैं। पर उन्हें पाकिस्तान वीजा देने से इनकार करता रहता है। इसलिए ही ये सवाल पूछने का मन कर रहा है कि पाकिस्तान एंबेसी ने अंजू को अपने दोस्त से मिलने का वीजा कैसे दे दिया?

पाकिस्तान में मुहाजिरों के हकों के लिए लड़ने वाली मुताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के नेता अल्ताफ हुसैन 2004 में राजधानी दिल्ली आए थे। वे तब कह रहे थे कि दोनों पड़ोसी मुल्कों के संबंध खराब होने के कारण देश के बंटवारे के समय बंट गए परिवार भी हमेशा-हमेशा के लिए एक-दूसरे से दूर हो गए। कारण यह है कि अब दोनों देशों का वीजा लेना मुश्किल हो गया है। भारत तो पाकिस्तान के नागरिकों को वीजा देने में इसलिए बहुत एहतियात बरतता है, क्योंकि, वहां से पाकिस्तान भारत में आतंकी तत्वों को भेजता रहा है। हालांकि वहां से हजरत निजामुद्दीन औलिया के उर्स में भाग लेने के लिए इस बार भी बहुत से तीर्थ यात्रियों को भारत ने वीजा दिया था। पर पाकिस्तान तो भारत के लेखकों, पत्रकारों, डॉक्टरों को भी वीजा देने से आनाकानी करता है। पर उसने अकेली अंजू को वीजा देने में गजब की जल्दी दिखाई। इसलिए शक तो होता है कि आखिर पाकिस्तान ने किस वजह से उसे फटाफट वीजा दिया।

एक दौर में हर साल सैकड़ों निकाह होते थे, जब दूल्हा पाकिस्तान का होता था और दुल्हन हिन्दुस्तानी। इसी तरह से सैकड़ों शादियों में दुल्हन पाकिस्तान की होती थी और दूल्हा हिन्दुस्तानी। सरहद के आरपार निकाह इसलिए बंद हो गए, क्योंकि; पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देता रहा। वीजा और फिर नागरिकता पाने के झंझट से बचने के लिए बहुत सारे लोग सीमा के उस पार अपना जीवन साथी खोजना बंद कर चुके हैं। पाकिस्तान के भारत के खिलाफ छद्म युद्ध जारी रखने की नीति के कारण दोनों देशों के नागरिकों को ही सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। मुंबई हमलों से पहले दिल्ली-मुंबई में पाकिस्तान से शायर, लेखक, फिल्मी कलाकार बराबर आते रहते थे। दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में पाकिस्तान के मशहूर शायर अहमद फराज को लगातार देखा जा सकता था। उनका एक मशहूर शेर है- ह्यरंजिश ही सही, दिल ही दुखाने के लिए आ, आ फिर से मुझे छोड़ के जाने के लिए आ।ह्न

खैर, हर हालत में भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों को यह गहराई से जांच कर पता लगाना चाहिए कि सीमा कैसे भारत आ गई और अंजू भारत से पाकिस्तान कैसे चली गई। इन दोनों के कथित प्रेम के पीछे का सच सामने आना ही चाहिए। पाकिस्तान हमें बार-बार नुकसान पहुंचाता रहा है। वहां पर आम लोगों की जिंदगी कठिन होती जा रही है। राजनीतिक अस्थिरता और महंगाई के कारण आम इंसान का जीना मुश्किल हो गया है। इसलिए वहां की जनता सड़कों पर आने को बेताब है। इस सच्चाई से पाकिस्तान सरकार अवगत है। इसलिए वह कुछ इस तरह का हथकंडा अपना सकती है कि पाकिस्तान की जनता को उसके मूल सवालों से भटकाया जा सके।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संपादकीय

घर

सर्वप्रथम आज के दिन दादीसा (स्व: श्रीमती गीगी देवी छाजेड़, बोरावड़) के 35 वे स्मृति दिवस पर उनके चरणो में मेरा हृदय की अन्नत- अनन्त गहराईयों से भावों से प्रणाम !आपकी आत्मा जहाँ कही भी हो वो उतरोतर आत्मा के अन्तिम चरम लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त करे !दादीसा को हम लोग माँ कहते थे । माँ धर्म - ध्यान करने में इतने प्रबल व पाबंद थे जिसके बारे में मैं लिखूँ तो मेरे शब्द ही कम पड़जाएँगे इसलिये कुछ पंक्तियों में ही मेरी बात रखता हूँ । माँ प्राय हर रोज़ प्रात: 3,4 बजे लगभग उठ कर बिलोंवना (मक्खन) की मशीनचलाते और सामायिक ले लेते थे यह एक सुखद उस समय का संयोग था की मशीन चलाने वाले कमरे में मेरा भई - बहनो के साथ सोनाहोता था और हम इस मशीन की आवाज सोते - सोते सुनकर समझ जाते की माँ उठ गये है मशीन चला दी है और उन्होंने सामायिक लेली है । रत्न तो लाख मिले एक हृदय का सही से धन न मिला ।दर्द हर वक्त मिला । चैन हमें किसी क्षण न मिला । ढूँढ़ते-ढूँढ़ते ढल गईधूप जीवन की मगर दूसरी बार लौट के हमें बचपन ना मिला ।

घर या निवास स्थान आदि जो शरण या आराम की जगह होता है। मनुष्यों के रहने का स्थान, किसी परिवार का निवास-स्थान, निवासस्थान, आवास, मकान दीवार आदि से घेरकर बनाया जाता है। यह आमतौर पर एक जगह है जिसमें एक व्यक्ति या एक परिवारके आराम और निजी संपत्ति का भंडारण कर सकते हैं।घर में दादा , दादी , माँ , बाप , काका , काकी , भाई , बहन आदि सभी कानिवास स्थान होता है । जीवन में उतार - चढ़ाव चलता रहता है कभी-कभी हम देखते हैं कि घर की परिस्थिति हमारे मनोनुकूल नहीं होतीहैं । हम लाख कोशिश करते हैं पर वह नहीं बदलती हैं । हमारी सहनशक्ति भी धीरे - धीरे खोती जाती है।उस समय बहुत झुंझलाहटआदि होती है । मान लो घर में कोई दूसरा हमें गुस्से में आकर बोले तो वह सुने ही नहीं किसी भी तरह की व्यर्थ की बकवास को याफालतू आदि बातों को चुने नहीं किसी का बोलना तो उसके ही वश की बात होता है पर उसे स्वीकार व अस्वीकार करना तो हमारे हीहाथ होता है । उस समय हम अपने कानों की खिड़की बंद कर ले घर में आदि जिससे व्यर्थ का धुआं नहीं आयेगा और हमारा मन आंगननफरत व घृणा की दुर्गंध से भी मुक्त बन जायेगा । घर में हमेशा प्रसन रहना ,साहस रखना , निस्वार्थता रखना , संयम रखना , दया ओरसहानुभूति रखना आदि होगा तो सही वातावरण का विकास होगा । जीवन में उत्साह ओर दिलचस्पी लेना भी रखे जिससे जीवन आँगनखुशियों से भरे । आत्म विस्वास ओर आत्म निर्भरता का विकास हो । अगुआ बनने ओर नेतृत्व करने की योगयता का विकास सबमें हो ।घर में सब एक - दूसरे को समझे । अपने सदगुणो का विकास करते रहे । जिससे घर में असीम सूखों का निवास बना रहेगा । जहाँ सुख- शान्ति होगी वहाँ लक्ष्मी का भी निवास होगा । काल्पनिक शंका और काल्पनिक भय हमेशा प्रगति में बाधक बनते हैं।कमजोर मन काव्यक्ति या स्वयं पर विश्वास नहीं करने वाला आदि हमेशा इसी सोच में डूबा रहता है कि कल क्या होगा।आने वाले समय में क्या होगावो किसी को पता नहीं।पर उसका भय इंसान के सोच को जकड़ देता है ।उसकी कार्य शक्ति कमजोर हो जाती है और वर्तमान का चेनभी समाप्त हो जाता है ।जिसके कारण इंसान स्वयं के साथ पूरे घर -परिवार की खुशियों में बाधक बनता है इसका प्रत्यक्ष उदाहरणवर्तमान समय को ही लीजिये ।लोग पिछले कोरोना के प्रभाव से उभर ही नहीं पाये थे कि फिर कोरोना की दूसरी लहर दस्तक दे दी ।अभीऔर नयी लहर आ चूकी है । इसने भयंकर तबाही मचायी हैं । यह सभी जानते हैं इसके कारण अधिकांश लोग आने वाले समय कोलेकर पहले से चिंतित हैं कि आगे व्यापार कैसे रहेगा,उधार बाक़ी कैसे आयेगी और जिनके घर के सदस्य अलविदा हो गये उनको भावीजीवन की चिंता खा रही है और मन में इस तरह की अनेक - अनेक काल्पनिक भय और शंका उत्पन हो रही है । यह सत्य है की होनीकभी टल नहीं सकती ।हर इंसान के जीवन में उतार चढ़ाव आते रहते हैं ।जो आने वाले समय में घटित होगा उसकी बुरी कल्पना और शंकासे बचना है ।जब जो होगा वो होकर रहेगा तो उसकी कल्पना आज करके हम अपना मनोबल कमजोर क्यों करें और अपने घर में आजका आनंद क्यों खोयें ।हमें अपने सोच को सकारात्मक रखना है ।अगर जीवन में कोई चुनोती आयी तो उसका सबको मिलकर डट करमुक़ाबला करना है ।जब मन में जज़्बा होगा और उत्साह होगा तो हर मुसीबत को घर में झेल लेंगे ।इसलिये हर व्यक्ति को काल्पनिक भयऔर शंका से दूर रहना है और साथ में घर - परिवार के साथ आज के दिन का आनंद भी लेना है। ये बैंक बेलेंस, घर, जमीन-जायदाद, गहने धन तो है पर साथ ही साथ चिंता भी हैं। और जहाँ चिंता है वहाँ कैसी प्रसन्नता ? कैसा उल्लास ? वहाँ सिर्फ़ और सिर्फ़ द्वंद, उपद्रव, अशांति, और सबसे ज्यादा अराजकता यह बाहरी से ज्यादा व्यक्ति के भीतर है। यदि मनुष्य की तृष्णा शांत हो जाये, उसे जितना प्राप्तहै उसी में सन्तुष्ट रहना आ जाये तो वह कभी भी अशांत मन नहीं रहेगा। घर - घर रहेगा ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

बिना चर्चा सदन से पारित कानून अवैध?

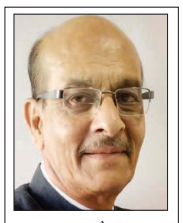

सनत जैन

पिछले कई सत्रों मे लोकसभा, राज्यसभा एवं विधानसभाओं में बिना चर्चा के बिल पास किए जा रहे हैं। वह कानून बन रहे हैं। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें जो कानून बनाती हैं। उसका असर नागरिकों पर पड़ता है। नागरिक अधिकार के तहत मतदाता, मतदान के माध्यम से अपने लिए विधायक और सांसद चुनते हैं। चुनाव के बाद यह माना जाता है, कि निर्वाचित प्रतिनिधि अपने विधानसभा क्षेत्र /लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है। निर्वाचित प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की जन भावनाओं को समझते हुए, संसद और विधानसभाओं की कार्यवाही अथवा जो कानून बनाए जाते हैं, वह सदन के अंदर अपनी राय रखते हैं,विचार विमर्श होता है। बहुमत के आधार पर संसद और विधानसभाओं में कानून बनेंगे, जो लोगों के हितों का संवर्धन करने वाले होंगे। पिछले कुछ सत्रों से यह देखा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं की बैठकें बहुत कम हो रही हैं। सरकार और विपक्ष के बीच में सदन की कार्यवाही को लेकर मतभेद होता है। सरकार चाहती है, कि उसे सदन के अंदर जवाब ना देना पड़े। सरकार,विपक्ष का सामना करने से बचती है। पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों कानून बिना किसी चर्चा के लोकसभा, राज्यसभा और विधान सभाओं से पारित किए गए हैं। बिना चर्चा के जो कानून पारित किए गए हैं। क्या उन्हें वैध माना जाना चाहिए। इसको लेकर अब बड़े पैमाने पर चचाएं शुरू हो गई हैं। केंद्र सरकार द्वारा जो भी विधेयक पिछले वर्षों में पेश किए गए हैं, उनमें लगभग-लगभग 90 फीसदी से ज्यादा विधेयक संसदीय समिति को भी नहीं भेजे गए हैं। विधेयक संसद और विधानसभाओं में सीधे प्रस्तुत किए जा रहे हैं। संसद अथवा विधानसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ घंटे पहले बिल एवं अन्य प्रस्ताव सांसदों और विधायकों के बीच में वितरित कर दिए जाते हैं। वह उनका अध्ययन भी नहीं कर पाते हैं। सरकार हो हल्ले और हंगामे के बीच सदन में प्रस्तुत करती है। आसंदी भी बिल पास करने की औपचारिकता को पूर्ण करा देता है। कुछ ही मिनटों में कई कानून पास कर दिए जाते हैं।

संविधान निमार्ताओं ने आसंदी को जो शक्तियां दी हैं। उन शक्तियों का प्रयोग करने में आसंदी विफल साबित होती नजर आ रही है। लोकसभा हो, राज्यसभा हो, अथवा विधानसभा में आसंदी, के पद पर बहुमत के आधार पर सतारूढ़ पक्ष की मेहरबानी से पद धारण करते हैं। यही दबाव उनके ऊपर आसंदी पर बैठने के बाद भी बना रहता है। संविधान निमार्ताओं ने यह माना था, कि अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हो जाने के बाद, आसंदी दलगत राजनीति से अलग होगी। निर्वाचित प्रतिनिधियों का सदन होगा। सदन के अध्यक्ष सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों के अधिकारों का संरक्षण करेंगे। चाहे वह सरकार हो, चाहे विपक्ष हो। सभी सांसदों और विधायकों को अपने अपने क्षेत्र की बात कहने का सदन में अधिकार होगा। जो भी नियम, कानून सदन में प्रस्तुत किए जाएंगे। उन पर सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अधिकार होगा। सदन के अंदर निर्वाचित प्रतिनिधियों को उनके उठाए गए हर प्रश्न का जवाब सरकार से दिलाने की जिम्मेदारी आसंदी की ही होती है। निर्वाचित प्रतिनिधियों का संवैधानिक निजी अधिकार है, इसे बहुमत के आधार पर बाधित नहीं किया जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में स्थिति बिल्कुल उलट नजर आ रही है। चुनिंदा सांसदों अथवा विधायकों को एक या 2 मिनट में अपनी बात कहने का मौका सदन में दिया जा रहा है। सांसद और विधायक जो प्रश्न लगाते हैं। उनके उत्तर भी सरकार से नहीं मिलते है। तारांकित और अतारांकित प्रश्न लगाने में सचिवालय मनमाने तरीके से प्रश्न चयनित करते हैं। निर्वाचित प्रतिनिधियों के सामान्य अधिकार भी अब आसंदी के रहते हुए सदन में सुरक्षित नजर नहीं पा रहे हैं। पिछले एक दशक में लोकसभा, राज्यसभा एवं विधान सभाओं के सत्र अवधि कम होती जा रही है। पूरा सत्र हंगामे और हो-हल्ले मे खत्म हो जाता है। निर्धारित समय के पहले ही सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो जाती है। सदन में प्रस्तुत विधेयक, बजट अनुपूरक बजट विधि विधाई से संबंधित संशोधन हो -हल्ले के बीच ना और हां के जरिए मतदान कराकर आसंदी द्वारा स्वीकृत किए जा रहे हैं। सरकार जो चाहती है, वह आसंदी कर देती है। इसे संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं माना जा सकता है। आसंदी की जिम्मेदारी है,कि वह सदन की कार्रवाई मे सभी पक्षों को अपनी बात रखने का अवसर दे। आसंदी को अधिकार है, कि वह सरकार और विपक्ष के बीच में समन्वय बनाए। गतिरोध को दूर कराने में आसंदी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जब दोनों पक्षों में विवाद शांत ना हो रहा हो। उस समय आसंदी निष्पक्षता के साथ पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति बनाने का कार्य,हमेशा से करती आई थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से आसंदी सरकार के दबाव में काम करती हुई स्पष्ट रूप से नजर आ रही है। इसके कारण सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार गतिरोध बढ़ रहा है। संसद और विधानसभा की कार्यवाही सुचारू रूप से नियमों के अनुसार संचालित हो। इसका दायित्व आसंदी का होता है। आसंदी निष्पक्ष तरीके से काम करती है, तो वह सरकार और विपक्ष पर दबाव बनाती है। अब उल्टा हो रहा है। आसंदी कहती है, सदन की कार्यवाही चलाने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। सरकार के कामकाज को निपटाने के लिए ही सत्र बुलाया जाता है। आसंदी सरकार को संरक्षण देती है। जिसके कारण आसंदी के साथ, अब विपक्ष के रिश्ते बेहतर नहीं हैं। आसंदी जब सरकार का हिस्सा बन जाती है। इसका मतलब,आसंदी की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर विपक्ष को विश्वास नहीं रहता। जो भी विधेयक सदन में बिना चर्चा पारित किए जा रहे हैं। वह एक तरह से अवैध माने जाने चाहिए। सदन में बिना चर्चा कराए, आसंदी ने बिना चर्चा के जो बिल पारित किए हैं। इसे अवैधानिक ही माना जाना चाहिए। संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखना है। तो इस दिशा में सभी को सोचना होगा। न्यायालयों को भी यह देखना होगा कि जो कानून बनाए गए हैं वह विधिवत तरीके से पास हुए हैं या नहीं। यदि नहीं हुए हैं,तो उन कानून और नियमों को अवैध मानते हुए, न्यायालयों को अपना निर्णय देना चाहिए। यही समय की मांग है। संवैधानिक संस्थाएं धीरे-धीरे सरकार पर आश्रित होती जा रही हैं। ऐसी स्थिति हमें राजतंत्र और तानाशाही की ओर ले जा रही है। लोकतांत्रिक और संवैधानिक व्यवस्था धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है।

एआई-ऑटोमेशन : युवाओं को मिलेंगे वैश्विक मौके

अतुल कुमार तिवारी

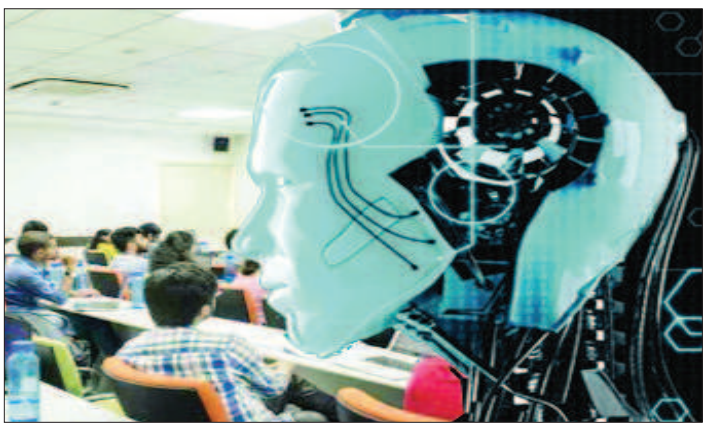

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ऑटोमेशन का उदय अब भविष्य की अवधारणा ही नहीं रही है। इसने दुनिया भर के कई उद्योगों में एक नई क्रांति ला दी है।

स्वास्थ्य सेवाओं से वित्तीय सेवाओं तक, ये तकनीकें भविष्य को बदल रही हैं। इससे प्रत्येक क्षेत्र की कौशल आवश्यकताओं में भी बड़ा परिवर्तन हो रहा है। ऐसे परिवेश में भारत एक तेजी से आगे बढ़ता हुआ देश है जहां एआई और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल शिक्षा प्रदान करने का नेतृत्व करने की आवश्यकता है।

वर्तमान में तकनीकी नवाचारों की त्वरित गति के साथ, दुनिया भर में एआई और उभरती हुई तकनीकों के कौशल विशेषज्ञों की मांग तेजी से बढ़ रही है। वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2025 तक एआई और मशीन लर्निंग, दुनिया भर में 10 करोड़ नई नौकरियां सृजित करेंगे। इसके अलावा, एक आईडीसी रिपोर्ट ने यह भी अनुमान लगाया है कि वर्ष 2023 तक एआई पर वैश्विक खर्च 97.9 अरब डॉलर तक पहुंचेगा। ये आंकड़े आने वाले वर्षों में इस क्षेत्र में असाधारण रूप से नौकरियों में वृद्धि की संभावना को दर्शाते हैं। भारत को इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, अपने युवाओं को एआई और इंडस्ट्री 4.0 की तकनीकों में कौशल शिक्षा देना महत्त्वपूर्ण है। हमारे देश में युवा और गतिशील कार्यबल है जिन्हें भविष्य की इन नई तकनीकों में प्रशिक्षित किया जा सकता है, जिससे भारत एवं वैश्विक कंपनियों को कुशल श्रमिकों का एक तैयार समुदाय दिया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने 21वीं सदी के रोजगार बाजार के लिए कौशल विकास करने का महत्त्व स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, रोजगार और कौशल पर केंद्रित है और छात्रों को सही कौशल प्रदान करने में शिक्षा की भूमिका को स्वीकार करती है। केंद्र सरकार के अनेक कार्यक्रम, एआई से लैस शिक्षण प्लेटफॉर्म और दूरस्थ शिक्षा के उपकरण, छात्रों को कौशल निर्माण पर केंद्रित पाठ्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करते हैं। ये प्लेटफार्म कोडिंग, डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उद्यमिता के पाठ्यक्रम देते हैं। इस क्षेत्र में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और स्किल इंडिया ने भी महत्त्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किए हैं। इसके साथ सरकार के कार्यक्रम, छात्रों को उद्योग-अनुकूल कायरे, प्रशिक्षुता और हैकाथॉन में शामिल होने का अवसर प्रदान करते हैं, जो छात्रों के रोजगार योग्यता वाले कौशल को सुधारने और उन्हें रोजगार के लिए तैयार करने में मदद करते हैं। टेक कंपनियों के लिए एक कॉस्ट-इफेक्टिव गंतव्य होने का फायदा भी भारत को मिल रहा है।

भारत में फ्यूचर ऑफवर्क के बारे में अपने विजन को आगे बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी लीडर, इन्फ्लूएन्सर और शिक्षाविदों को एक प्लेटफार्म के रूप में लाने के लिए कार्य किया जा रहा है। हाल ही में ओडिशा में जी-20 अध्यक्षता के तहत तीसरी शिक्षा कार्य समूह (एडब्ल्यूजी) की बैठक के दौरान एक साथ फ्यूचर ऑफ वर्क पर आधारित प्रदर्शनी आयोजित की गई। इसमें ऐसी तकनीकी को प्रदर्शित किया गया जो फ्यूचर ऑफ वर्क, मॉडर्न वर्कप्लेस में निरंतर इनोवेशन, भविष्य के कौशल और इनोवेटिव डिलीवरी मॉडल को आगे बढ़ाएगी। भविष्य को देखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान गति शक्ति पर ध्यान केंद्रित किया है, जो आधुनिक लॉजिस्टिक लेयर बनाने के लिए आवश्यक है, जिससे भारत ब्लू इकोनॉमी उत्पादों, भोजन और कृषि के वैश्विक हब के रूप में उभर रहा है। लॉजिस्टिक्स एक रोमांचक क्षेत्र होने जा रहा है और देश के युवाओं के लिए अवसरों से भरा हुआ है। यह टेक्नोलॉजी सक्षमता के विषय में है और इसमें निवेश, उद्यमशीलता और रोजगार के साथ-साथ तकनीक और उभरते सेक्टर में अवसरों की बहुत गुंजाइश है। एआई, ऑटोमेशन एवं इंडस्ट्री 4.0 जैसी उभरती हुई तकनीकों में भारतीय युवाओं का प्रशिक्षण पूरी दुनिया में उनके लिए अनेक नए अवसर ला सकता है।

वैश्विक कंपनियां उभरती हुई तकनीकों में कुशल कार्यबल की उपलब्धता के कारण भारत में अपने केंद्र स्थापित कर रही हैं। ये पहल भारतीय युवाओं को ग्लोबल कंपनियों के साथ काम करने, अपने कौशल को विकसित करने और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने वाली हैं। कौशल की मांग स्वास्थ्य, वित्त और विनिर्माण के क्षेत्र में कुशल कार्यबल, भारतीय युवाओं के लिए विभिन्न उद्योगों में काम करने के अवसरों का निर्माण कर सकता है। विशेष रूप से, ऑटोमेशन और एआई की उभरती हुई तकनीक ने दुनिया भर में काम की प्रकृति को बदल दिया है। समग्र कौशल विकास की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार, शैक्षणिक संस्थाओं और उद्योगों को एक साथ आना आवश्यक है ताकि एआई और उभरती हुई तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करके एक कौशल विकास के मजबूत इकोसिस्टम का निर्माण हो सके। इससे न केवल कुशल कार्यबल निर्मित होगा बल्कि देश की आर्थिक वृद्धि के साथ ही समग्र विकास में भी बड़ा योगदान मिलेगा।

(लेखक कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय, केंद्र सरकार में सचिव हैं)

एक्ट्रेस बनने से पहले यह काम करती थीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी 31 जुलाई को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। फिल्म 'फुगली' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत करने वाली कियारा ने कई हिट फिल्मों में काम किया हैं। उन्हें फिल्म 'कबीर सिंह' से काफी लोकप्रियता मिली है। इस फिल्म में उन्होंने 'प्रीति' का किरदार निभाया और आज भी कई लोग उन्हें इसी नाम से बुलाते हैं।

लेकिन क्या आप जानते हैं फिल्मों में आने से पहले कियारा आडवाणी क्या काम करती थीं? एक इंटरव्यू के दौरान कियारा ने अपनी पर्सनल लाइफ से जुड़े कुछ खुलासे किए थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस बनने से पहले वो एक प्ले स्कूल में बच्चों को संभालने का काम करती थीं।

कियारा ने बताया था कि वो एक्ट्रेस बनने से पहले बेबी सिटिंग का काम करती थीं। कियारा ने कहा, एक्ट्रेस बनने से पहले मैं अपनी मां के प्री-स्कूल में काम करती थी। मैं वहां सुबह 7 बजे पहुंचकर बच्चों की देखभाल करती थी। मैंने वहां बच्चों को संभालने के सारे काम किए।

एक्ट्रेस ने कहा था कि बच्चों को नर्सरी की कविताएं सुनाती थी, उन्हें अल्फाबेट्स और नंबर्स याद करवाती थी। इतना ही नहीं, मैंने बच्चों के डायपर भी चेंज किए हैं, मुझे बच्चे बहुत पसंद हैं।

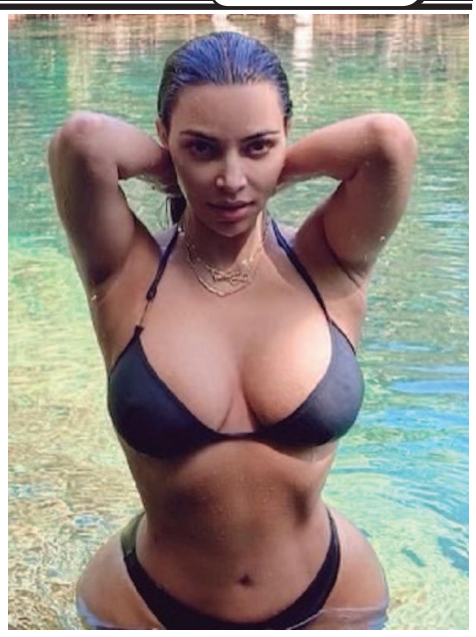

सोशल मीडिया पर कहर बरपा रही किम

सोशल मीडिया पर हालीवुड एक्ट्रेस किम कार्दशियन काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की तस्वीरें इंटरनेट पर धड़ल्ले से वायरल होती हैं। इसी बीच किम ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से बाथ लेते हुए की कुछ फोटोज शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब कहर बरपा रही हैं। इन तस्वीरों में देखा जा सकता है कि किम कार्दशियन ब्लैक बिकिनी पहने स्विमिंग करती नजर आ रही हैं। बिकिनी पहन वह पानी में खूब गोते लगा रही हैं। नहाने के बाद पूल से बाहर निकल वह अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक देख उनके फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस की ये फोटोज इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं।

'ओएमजी 2' को मिला यूए सर्टिफिकेट, अक्षय कुमार के किरदार में होंगे बदलाव

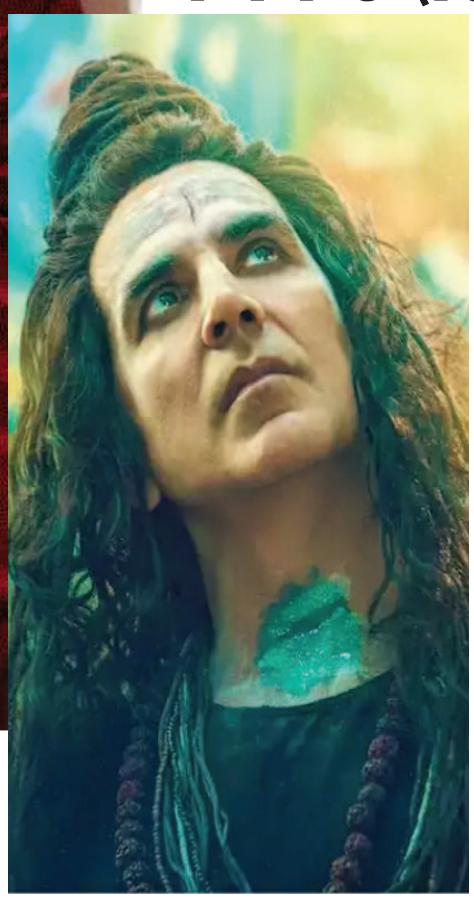

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म 'ओएमजी 2' टीजर रिलीज के बाद से ही विवादों में उलझी हुई है। टीजर रिलीज के बाद फिल्म के एक सीन को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिसके बाद सेंसर बोर्ड ने 'ओएमजी 2' की रिलीज पर रोक लगा दी थी और फ्लिम को वापस रिव्यू कमेटी के पास भेज दिया था।

फिल्म की रिलीज को महज कुछ दिन बचे हैं और सेंसर बोर्ड है फिल्म के सर्टिफिकेट को लेकर कोई निर्णय नहीं कर पा रहा है। इस फिल्म के मेकर्स और सीएफसी के अधिकारियों के बीच मीटिंग्स का दौर जारी है। बीते दिनों खबर आई थी कि सेंसर बोर्ड में 20 कट्स का सुझाव देते हुए 'ओएमजी 2' को ए सर्टिफिकेट देने की पेशकश की है।

वहीं अब खबर आ रही है कि सेंसर बोर्ड ने 'ओएमजी 2' को यूए सर्टिफिकेट दे दिया है। बोर्ड ने मेकर्स को फिल्म में 20 कट और 15 बदलाव करने के सुझाव दिए हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में अक्षय कुमार के कैरेक्टर को लेकर भी बदलाव किया जा सकता है। फिल्म में पहले अक्षय कुमार को भगवान शिव का अवतार बताया जा रहा था लेकिन अब उन्हें शिव का दूत बताया जा सकता है। बोर्ड की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद अब ये बहुत हद तक संभव है कि फिल्म ओएमजी 2 का ट्रेलर अगले हफ्ते रिलीज हो जाए।

फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन हो सकती है। मेकर्स को सेंसर बोर्ड के निर्देशों का पालन करना होगा, इसकी वजह से फिल्म को रिलीज होने में अभी टाइम लग सकता है। 11 अगस्त को रिलीज होने वाली 'ओएमजी 2' का प्रमोशन विवादों की वजह से मेकर्स अभी तक शुरू नहीं कर पाए हैं। बता दें कि 'ओएमजी 2' में अक्षय कुमार के साथ यामी गौतम और पंकज त्रिपाठी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में अरुण गोविल भगवान राम के किरदार में दिखेंगे। यह फिल्म अमित राय द्वारा निर्देशित और लिखित है।

विक्रांत संग मस्ती करती दिखीं मोनालिसा

हाल ही में भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति विक्रांत सिंह राजपूत संग कुछ लवी-डवी तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस को खूब पसंद आ रही हैं। दरअसल, मोनालिसा ने ये तस्वीरें पति विक्रांत सिंह के बर्थडे पर शेयर की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि जमकर मस्ती कर रही हैं। कपल एक दूजे के बाहों में बाहें डाले रोमांटिक पोज भी देता दिख रहा है। वहीं, कइयों में एक्ट्रेस पति पर किस करती नजर आ रही हैं तो कइयों में सोफे पर बैठ मस्ती करती दिख रही हैं। इस दौरान मोनालिसा पिंक टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स में अपनी टोन्ड लेग्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। हालांकि, इस दौरान उनका कैजुअल लुक देखने को मिल रहा है। वहीं, उनके पति विक्रांत भी व्हाइट और ब्लू टीशर्ट में कैजुअल नजर आ रहे हैं।

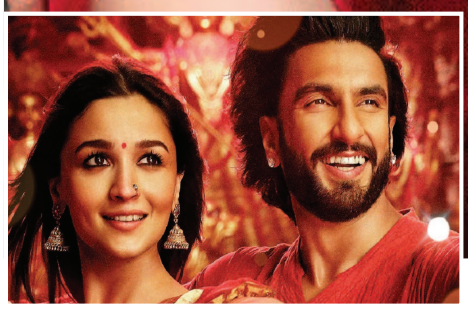

रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने चार दिन में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया

करण जौहर निर्देशक की कुर्सी पर वापस आ गए हैं! फिल्म निर्माता को उनकी फिल्मों में रोमांस के चित्रण के लिए जाना जाता है और रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी इससे अलग नहीं है। सितारों से सजी यह फिल्म जहां आपके चेहरे पर मुस्कान बनाए रखेगी, वहीं यह आपको कभी-कभी भावुक भी कर देगी। लेकिन कुल मिलाकर यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी से कहीं अधिक, एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म है और आपके हर समय के लायक है।

करण जौहर द्वारा निर्देशित रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म रॉकी ??और रानी की प्रेम कहानी ने रिलीज होने के पहले चार दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 52.92 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। निर्माताओं ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जौहर द्वारा निर्देशित रॉकी ??और रानी की प्रेम कहानी दो विपरीत पृष्ठभूमि और संस्कृतियों से संबंध रखने वाले एक जोड़े की प्रेम कहानी है। इस पारिवारिक मनोरंजन फिल्म में धर्मेंद्र, शबाना आजमी और जया बच्चन भी हैं।

करण जौहर के बैनर धर्मा प्रोडक्शन ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पेज पर फिल्म की कमाई के नवीनतम आंकड़ों की जानकारी साझा की। प्रोडक्शन हाउस ने ट्विटर पर लिखा, रंधावा और चटर्जी की यह कहानी बॉक्स ऑफिस को मनोरंजन और प्यार से भर रही है। बैनर के अनुसार, फिल्म ने सोमवार को 7.03 करोड़ रूपये कमाए जिससे कुल कमाई 45.90 करोड़ रुपये से बढ़कर 52.92 करोड़ रुपये हो गई।

शोभिता धूलिपाला ने रैंप वॉक के दौरान ईशान खट्टर को किया इग्नोर, सोशल मीडिया पर उड़ा मजाक

शोभिता धूलिपाला ने रैंप वॉक के दौरान ईशान खट्टर को उस समय नजरअंदाज कर दिया जब वे दोनों एक ही डिजाइनर के लिए वॉक करते दिखे। प्रशंसक इस वीडियो को बार बार देख रहेल हैं और दावा कर रहे हैं कि वे इसे 1000 से अधिक बार देख सकते हैं हाल ही में मेड इन हेवन 2 की अभिनेत्री और ईशान ने रैंप वॉक किया। दिल्ली में एक साथ रैंप पर और उनकी केमिस्ट्री शून्य थी और वास्तव में शोभिता द्वारा ईशान को रैंप पर नजरअंदाज करने से सभी का ध्यान आकर्षित हुआ और कई लोग उनके रवैये पर उनकी आलोचना कर रहे हैं और अन्य लोग इसे पसंद कर रहे हैं और उन्हें पेशेवर कह रहे हैं। शोभिता हॉट लग रही थीं, लेकिन ईशान को नजरअंदाज करना शहर में चर्चा का विषय बन गया और वीडियो जंगल की आग की तरह इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर प्रशंसकों और नेटिज़न्स की मजेदार प्रतिक्रियाएं देखें। एक यूजर ने कमेंट किया, 'अब ये नल्ले नेपो किड्स फुटेज लेंगे ज़बरदस्ती चिपकेंगे टैलेंटेड आउटसाइडर से卐। एक अन्य यूजर ने कहा, 卐ईशान को रैंप पर कौन बुलाया..गार्डन भेजना था इसे गोटी खेलने के लिए।卐 एक और यूजर ने कहा, 'उसने उस बेचारे की तरफ देखा तक नहीं।' एक फैन ने कमेंट किया, 'मैं अपनी जिंदगी की समस्याओं को वैसे ही नजरअंदाज कर दूंगा जैसे शोभिता ने ईशान को नजरअंदाज किया था।'

मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया गिगी हदीद

कई दिनों बाद हॉलीवुड एक्ट्रेस गिगी हदीद को मालिबू में मिउ मिउ इवेंट में स्पॉट किया गया, जहां वह अपने लुक से सबका ध्यान खींचती नजर आईं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 28 वर्षीय मॉडल बॉडीकोन ब्लैक ड्रेस में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने व्हाइट मोजे और ब्लैक लोफर्स पेयर किए। चेहरे पर ब्लैक गॉग्लस और खुले बालों में एक्ट्रेस का स्टाइल देखते ही बन रहा है। व्हाइट पर्स हाथ में कैरी किए गिगी कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रही हैं। फैंस का एक्ट्रेस का ये लुक काफी पसंद आ रहा है। बता दें, गिगी हदीद को प्रिजनर डिटेंशन सेंटर में ले जाने के बाद जमानत पर रिहा किया गया था। जुर्म कबूल करने के बाद उन पर 1,000 डॉलर का जुर्माना लगा था। हालांकि, इस मामले में राहत मिलने के बाद एक्ट्रेस अपने दोस्तों संग चिल करती भी नजर आई थीं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ ही 82.33 पर बंद हुआ है। विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया तीन पैसे नीचे आकर 82.32 पर आ गया। कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में तेजी ने रुपए की गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.32 पर खुला, जो पिछले बंद के मुकाबले तीन पैसे की गिरावट दिखा रहा है। रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 82.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 फीसदी बढ़कर 102.03 पर पहुंच गया।

ओबेरॉय रियल्टी का एकीकृत शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत घटा

मुंबई । रियल एस्टेट कंपनी ओबेरॉय रियल्टी का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 20 प्रतिशत घटकर 321.64 करोड़ रुपये रहा। मुंबई स्थित कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले साल की समान अवधि में 403.08 करोड़ रुपये था। ओबेरॉय रियल्टी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून अवधि में कंपनी की कुल आय घटकर 933.56 करोड़ रह गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 934.81 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का खर्च बढ़कर 509.07 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह राशि 463.32 करोड़ रुपये थी।

कंपनी को डिफेक्टिव कार बेचना पड़ा महंगा, ग्राहक ने वसूले 42 लाख

नई दिल्ली । एक जागरूक ग्राहक ने फोर्ड इंडिया के खिलाफ केस दर्ज करके 42 लाख रुपए का भारी भरकम हर्जाना हासिल किया। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फोर्ड इंडिया को आदेश दिया कि ग्राहक को 42 लाख रुपए अदा करें। कंपनी ने ग्राहक को एक फोर्ड का डिफेक्टिव मॉडल बेचा था। ग्राहक ने कार कब खरीदी इसकी तारीख अभी सामने नहीं आई है लेकिन यह बीएस4 मॉडल था। ग्राहक ने 312 लीटर वर्जन खरीदा। कार खरीदने के बाद से ही ग्राहक को लगातार कार से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसके बाद ग्राहक ने पंजाब स्टेट कंज्यूमर फोरम में शिकायत दर्ज की। ग्राहक की कार में लगातार ऑयल लीकेज की समस्या आ रही थी। इसके बाद स्टेट कमीशन ने कंपनी को ग्राहक की कार का इंजन बदलने के निर्देश दिए। कोर्ट ने साथ ही शिकायतकर्ता ग्राहक को 2,000 रुपए प्रति दिन का हर्जाना भी देने को कहा। कोर्ट के निर्देश के मुताबिक कंपनी ने इंजन बदल दिया लेकिन ग्राहक की समस्या बरकरार रही। ग्राहक ने फिर से मामला दर्ज कराया तो जस्टिस सूर्यकान्त और दीपांकर दत्ता ने ग्राहक के हक में फैसला देते हुए 42 लाख रुपए ग्राहक को अदा करने का आदेश कंपनी को दिया। इसके अलावा 87,000 रुपए व्हीकल इंश्योरेंस के भी ग्राहको अदा किए गए। यानी ग्राहक को कंपनी ने कुल 42,87,000 की मोटी रकम चुकानी है।

टोयोटा ने जुलाई में रिकॉर्ड मासिक बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली । टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने बताया कि जुलाई में उसने 21,911 इकाइयों के साथ अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री दर्ज की। पिछले महीने डीलरों को कंपनी की कुल आपूर्ति 11 प्रतिशत बढ़कर 21,911 इकाई हो गई, जबकि जुलाई 2022 में यह आंकड़ा 19,693 इकाई का था। समीक्षाधीन माह में कंपनी की घरेलू थोक बिक्री 20,759 इकाई रही, जबकि निर्यात 1,152 इकाई रहा। टीकेएम ने इससे पहले मई 2023 में 20,410 इकाइयां बेचकर अपनी सर्वश्रेष्ठ मासिक थोक बिक्री दर्ज की थी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के साथ ही होने वाली बिकवाली और इंट्रा-डे ट्रेड (एक ही दिन में शेयर बेचने और खरीदने) में हुआ नुकसान भी रहा। आज कारोबार के दौरान आईटी और धातु शेयरों में जमकर खरीदारी हुई जबकि वाहन और वित्तीय शेयरों में गिरावट रही। इससे पहले शुरुआती कारोबार में तेजी थी मगर बाद में गिरावट आने लगी। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.36 अंक करीब 0.10 फीसदी नीचे आकर 66,459.31 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 66,658.12 का ऊपर जाने के बाद 66,388.26 तक फिसला।

इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 20.25 अंक तकरीबन 0.1 फीसदी नीचे आया। यह निफ्टी दिन के अंत में 19,733.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,795.60 की ऊंचाई तक जाने के बाद 19,704.60 तक टूटा। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 15 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इनमें एनटीपसीसी, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयर रहे ।

वहीं सेंसेक्स के शेयरों में 15 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इनमें पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, एसबीआईऔर मारुति सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर खुले और मामूली बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। सुबह शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 92.90 अंकों की बढ़त के साथ ही 66,620.57 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 29 अंकों की बढ़त के साथ 19,782.85 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार सपाट रहा।वहीं अमेरिकी बाजारों में तिमाही नतीजे आने के बाद बढ़त देखने को मिली। मंगलवार के शुरुआती सौदों में एशिया-प्रशांत बाजारों में भी तेजी आई

31 जुलाई तक दाखिल हुए 6.77 करोड़ से ज्यादा आईटीआर

नई दिल्ली ।

31 जुलाई 2023 को आयकर रिटर्न भरने की आखिरी तारीख थी और इस दिन तक आईटीआर फाइलिंग का नया रिकॉर्ड बन गया है। आयकर विभाग की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 31 जुलाई की रात 12 बजे तक देश में वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 6,77,42,303 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न फाइल हो चुके हैं यानी देश में एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए 6.77 करोड़ से भी ज्यादा आईटीआर फाइलिंग हुई है जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इंडीविजुएल टैक्सपेयर्स और यूनिट्स के लिए आयकर फाइलिंग का ये एक बड़ा रिकॉर्ड है। आयकर विभाग के ट्वीट के मुताबिक इस कैटैगरी के लिए पिछले साल यानी वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 5.83 करोड़ आईटीआर फाइल हुए थे और इस लिहाज से देखा जाए तो देश में पिछले साल के मुकाबले 1 करोड़ से भी ज्यादा टैक्स रिटर्न फाइल किए जा चुके हैं। देश में इस साल 31 जुलाई तक ऐसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए 3,44,16,658 करोड़ आईटीआर वेरिफाइड होकर प्रोसेस चुके हैं और 5,62,59,216 करोड़ आईटीआर का वेरिफिकेशन हो चुका है।

ऊंची कीमतों के कारण लोगों ने सोने में कम दिखाई रुचि

नई दिल्ली । रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण भारत में सोने की मांग अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सात प्रतिशत घटकर 158.1 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने इसकी जानकारी दी। डब्ल्यूजीसी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भंडारण के कारण वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही में सोने का आयात सालाना आधार पर 16 प्रतिशत बढ़कर 209 टन रहा। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 की पहली छमाही में 271 टन की मांग के अनुमान के साथ पूरे साल में मांग 650-750 टन के बीच हो सकती है। डब्ल्यूजीसी इंडिया के क्षेत्रीय सीईओ सोमसुंदरम पी आर ने बताया, दूसरी तिमाही में सोने की मांग में सात प्रतिशत की गिरावट सोने की मौजूदा रिकॉर्ड ऊंची कीमतों के कारण है। इसकारण उपभोक्ता भावना काफी हद तक प्रभावित हुई। बीते दिनों सोने की कीमतों में भारी उछाल आया और बेहद कम समय में यह 64,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, देश में कर अनुपालनों के कारण भी मांग में कुछ कमी आई है। समीक्षाधीन तिमाही में सोने की वैश्विक मांग दो प्रतिशत घटकर 921 टन रह गई। डब्ल्यूजीसी के अनुसार सालाना आधार पर केंद्रीय बैंकों की शुद्ध खरीदारी में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एयरटेल ने किया एयरटेल आईक्यू रीच लॉन्च

भारत में अपनी तरह का पहला सेल्फ-सर्व मार्केटिंग कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म

प्रीपेड सेल्फ-सर्व प्लेटफॉर्म व्यवसायों को विशिष्ट ग्राहक समूहों को पर्सनलाइज्ड मेसेजेज भेजने में करेगा मदद

व्यवसायी अब किफायती लागत पर अपने ग्राहक से जुड़ने की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं

नई दिल्ली/इन्दौर । भारत के अग्रणी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स में से एक, भारती एयरटेल (एयरटेल) ने आज एयरटेल आईक्यू रीच के लॉन्च की घोषणा की, यह एक अनूठा सेल्फ-सर्व मार्केटिंग कम्युनिकेशन प्लेटफार्म है, जो पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन के जरिए ब्रांड या कंपनियों को अपने विशिष्ट ग्राहकों से जुड़ने की क्षमता प्रदान करेगा।

एयरटेल आईक्यू के तहत लॉन्च किया गया यह कम्युनिकेशंस एज अ सर्विस (सीपीएएएस) के रूप में दुनिया का पहला नेटवर्क-एम्बेडेड कम्युनिकेशंस प्लेटफॉर्म है। एयरटेल आईक्यू रीच सहजता से इस्तेमाल किया जा सकने वाला प्लेटफॉर्म है। यह लघु और मध्यम व्यवसायों को प्रीपेड पे-एज़-यू-गो विकल्पों के माध्यम से, उनके मार्केटिंग बजट से अधिकतम लाभ अर्जित करने और संभावित ग्राहकों तक पहुंचने में मदद करता है। यह सेल्फ-सर्व पोर्टल विशेषकर नए व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए, उनकी आवश्यकता के अनुरूप सभी सुविधाएं एक स्थान पर उपलब्ध कराएगा। इसके जरिए उन्हें अपने विशिष्ट ग्राहक समूहों की आवश्यकतानुसार मेसेज डिजाइन करने, अपलोड करने या चुनने, शेड्यूल करने के लिए केवल एक ही पोर्टल पर लॉग इन करना होगा। इस तरह वे अपने कैंपेन पर पूरी तरह से नियंत्रण रख सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया बस कुछ ही क्लिक के साथ आसानी से और जल्दी पूरी हो जाती है। अभिषेक बिस्वाल, हेड-डिजिटल प्रोडक्ट्स एंड सर्विसेज एयरटेल बिजनेस ने बताया, ÷हमारे लिए हमारे ग्राहक सर्वोपरी हैं। हमने एयरटेल आईक्यू रीच को विशेष रूप से लघु एवं मध्य (एसएमबी) सेगमेंट को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया है ताकि वे अपने कस्टमर्स के साथ कम्युनिकेशन को बेहतर बना सकें।

यह प्लेटफ़ॉर्म व्यवसायियों को अपने चुने हुए विशिष्ट ग्राहकों के साथ प्रभावी ढंग से संवाद स्थापित करने में मदद करने के लिए उन्नत तकनीक और एयरटेल के बुनियादी ढांचे, डेटा और इंजीनियरिंग विशेषज्ञता का उपयोग करता है। हमारे ग्राहक अपने व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए हमारे प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग कर सकते हैं और साथ ही ग्राहक अधिग्रहण में आने वाली लागत पर बचत भी कर सकते हैं। वे हमारे इनोवेटिव सॉल्यूशन का प्रयोग करके पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन के साथ सही समय पर सही ग्राहकों तक पहुंच सकते हैं। यह प्लेटफ़ॉर्म व्यवसायों को उनके मार्केटिंग कैंपेन की प्रभावशीलता का आंकलन करने के उद्देश्य से एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड पर रियल-टाइम इनसाइट्स और व्यापक विश्लेषण भी उपलब्ध कराएगा।

एयरटेल आईक्यू रीच लघु व मध्यम व्यवसायों को मार्केटिंग कैंपेन्स की योजना बनाते समय आने वाली प्रमुख चुनौतियों, जैसे सही ग्राहक की पहचान करना, अभियान की प्रभावशीलता पर नज़र रखना, अपने ग्राहकों तक पहुंचने के लिए कई चैनलों को मैनेज करना, आदि को हल करने में भी मदद करेगा।

एयरटेल आईक्यू रीच पोर्टल अभी व्हाट्सएप के माध्यम से कम्युनिकेशन के लिए उपलब्ध है और जल्द ही एसएमएस, वॉयस और अन्य चैनलों पर इसकी सुविधा शुरू हो जाएगी। एयरटेल आईक्यू कई चैनलों पर संवाद की सुविधा उपलब्ध कराने वाला एक ओमनी-चैनल क्लाउड कम्युनिकेशन प्लेटफार्म है, जो क्लाउड कम्युनिकेशन और कस्टमर एक्सपीरियंस मैनेजमेंट की प्रक्रिया को एकीकृत करता है ताकि ब्रांड्स को वॉयस, एसएमएस और व्हाट्सएप चैनलों पर अपने ग्राहकों के साथ जुड़ने में सक्षम बनाया जा सके।

केंद्र की ओर से तेल कंपनियों को बड़ा झटका.....विंडफॉल टैक्स में इजाफा

नई दिल्ली ।

केंद्र की मोदी सरकार ने तेल कंपनियों को बड़ा झटका देकर पेट्रोलियम क्रूड पर विंडफॉल टैक्स में इजाफा किया है। पेट्रोलियम क्रूड पर मोदी सरकार ने विंडफॉल टैक्स 1600 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 4250 रुपए प्रति टन कर दिया है। बढ़ी हुई दरें 1 अगस्त से लागू हो चुकी हैं। इसके पहले पेट्रोलियम क्रूड पर केंद्र ने 15 जुलाई को दुबारा विंडफॉल टैक्स लगाकर इस 1600 रुपए प्रति टन कर दिया है। केंद्र सरकार ने डीजल पर भी विंडफॉल टैक्स लगा दिया है, जो पहले शून्य पर था। डीजल पर सरकार ने 1 रुपए प्रति लीटर का विंडफॉल टैक्स लगाया है। 31 जुलाई को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक मोदी सरकार ने ये नई टैक्स की दरें जारी की हैं। पेट्रोल और एटीएफ पर सरकार ने कोई विंडफॉल टैक्स नहीं लगाया है और इस पर यथास्थिति बरकरार रखी है।

केंद्र ने 1 जुलाई 2022 से देश में कच्चे तेल के उत्पादन और एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी को लगाने का फैसला कर हर 15 दिनों में सरकार की ओर से इनकी समीक्षा की जाती है। इससे पहले 15 जुलाई को सरकार ने पेट्रोलियम क्रूड के उत्पादन पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाकर 1600 रुपए प्रति टन पर कर दिया था। सरकार ने घरेलू तेल कंपनियों के पेट्रोल, डीजल, गैसोलीन, एविएशन टरबाइन फ्यूल और पेट्रोलियम क्रूड के एक्सपोर्ट के ऊपर विंडफॉल टैक्स के रूप में लेवी लगाई थी। ऐसा इसलिए किया गया था क्योंकि निजी तेल कंपनियां भारत में तेल बेचने की बजाए विदेशी बाजारों में जबरदस्त रिफाइनिंग मार्जिन हासिल कर रही थीं। मोदी सरकार ने इन कंपनियों के इसी मुनाफे पर टैक्स लगाया जिससे ये घरेलू बाजार में ये पेट्रोलियम उत्पाद बेचने के लिए प्रेरित हो सकें।

हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष मुंजाल के ठिकानों पर छापेमारी

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी अध्यक्ष पवन मुंजाल और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ मंगलवार को छापामारी हुई है। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत यह छापेमारी की गई है। यह छापेमारी दिल्ली और गुरुग्राम में स्थित मुंजाल के परिसरों पर की गई है। यह जांच राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की शिकायत के चलते हो रही है। यह शिकायत कथित रूप से मुंजाल के करीबी व्यक्ति के खिलाफ है। इस व्यक्ति की अघोषित विदेशी मुद्रा ले जाने के आरोप में जांच हुई थी। छापेमारी के बाद हीरो मोटोकॉर्प के शेयर में गिरावट देखने को मिल रही है। कंपनी का शेयर मंगलवार दोपहर 4.26 फीसदी या 136.45 रुपये की गिरावट के साथ 3067.10 रुपये पर ट्रेड करता दिखा। रिपोर्ट में बताया था कि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने कथित कॉर्पोरेट गवर्नेंस के मुद्दों पर हीरो मोटोकॉर्प के खिलाफ जांच का आदेश दिया था। हीरो मोटोकॉर्प पर कथित रुप से फर्जी कंपनियां चलाने का आरोप है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज की एक जांच से भी यह सामने आया कि कंपनी और इससे जुड़ी संस्थाओं के मामलों की गहन जांच की जरूरत है। हीरो मोटोकॉर्प एक कैलेंडर वर्ष में यूनिट्स की बिक्री के मामले में 2001 में दुनिया की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी बनी थी और लगातार 20 साल से टॉप स्थान पर काबिज है। कंपनी की मौजूदगी एशिया, अफ्रीका और दक्षिण एवं मध्य अमेरिका के 40 देशों में है।

नकली दवाओं पर शिकंजा कसने 300 ब्रांडों पर क्यूआर कोड लगाना जरूरी

नई दिल्ली ।

नकली दवाओं से बचने के लिए देश के प्रमुख 300 दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर क्यूआर कोड लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। 1 अगस्त से दिखने वाले क्यूआर कोड की मदद से नकली दवाओं पर लगाम कसेगी और उनका पता भी आसानी से लग जाएगा। भारतीय दवा विनिर्माताओं के संगठन (आईडीएमए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विरंची शाह ने कहा कि 1 अगस्त और उसके बाद बनने वाली इन 300 ब्रांडों की बैच में पैकेजिंग पर क्यूआर कोड छपे होंगे। सरकार के इस कदम का असर डोलो (माइक्रो लैब्स), एलेग्रा (सनोफी), एस्थलिन (सिप्ला), ऑगमेंटिन (जीएसके), सेरिडॉन (बायर फार्मास्युटिकल्स), लिम्सी (ऐबट), कालपोल (जीएसके), कोरेक्स (फाइजर), थायरोनॉर्म (ऐबट), अनवांटेड 72 (मैनकाइंड फार्मा) जैसे लोकप्रिय दवा ब्रांडों पर पड़ेगा। इन ब्रांडों की दवा बहुत अधिक बिकती हैं और उन्हें सालाना कारोबार या सालाना बिक्री के आधार पर ही छांटा गया है। बड़ी दवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा कि उद्योग इसके लिए तैयार है। जीएसके के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी इस बदलाव के लिए तैयार है और इसकी लागत को पहले ही शामिल कर लिया गया है। देश की सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सन फार्मास्युटिकल्स ने भी इसके लिए तैयार होने की बात कही। मगर उद्योग सूत्रों ने कहा कि अतिरिक्त छपाई के कारण दाम 5 से 7 फीसदी बढ़ जाएंगे और इसकी वजह से बैच तैयार होने में भी देर हो सकती है।

जुलाई में लगातार दूसरे महीने विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां कम हुईं: पीएमआई

नई दिल्ली ।

देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां जुलाई में लगातार दूसरे महीने कम हुईं। एक मासिक सर्वेक्षण में बताया गया कि उत्पादन बढ़ने की दर और नए ऑर्डर की दर थोड़ी घटने की वजह से ऐसा हुआ। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जुलाई में घटकर 57.7 पर आ गया, जो जून में 57.8 था। सर्वेक्षण में कहा गया है कि इस गिरावट के बावजूद भारतीय विनिर्माण क्षेत्र ने मजबूत वृद्धि को बनाए रखा है। पीएमआई के आंकड़ों ने जुलाई में लगातार 25वें महीने समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार का संकेत दिया। पीएमआई की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है और 50 से कम अंक संकुचन की स्थिति को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि जुलाई में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि की गति कम होने के कोई संकेत नहीं दिखे, क्योंकि नए ऑर्डर में मजबूत वृद्धि के कारण उत्पादन चालू रहा। सर्वेक्षण में कहा गया कि उत्पादन और नए ऑर्डर में वृद्धि की दर जून की तुलना में थोड़ी कम रही। इस दौरान रोजगार सृजन की गति मोटे तौर पर मई और जून के रुझानों के अनुरूप थी। लागत मुद्रास्फीति दबाव अपेक्षाकृत कम रहा।

गो फर्स्ट 15.5 लाख यात्रियों को वापस करेगा 597 करोड़

मुंबई ।

राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने यात्रा के लिए टिकट खरीदने वाले करीब 15.5 लाख यात्रियों को 597.54 करोड़ रुपए वापस करने की याचिका पर गो फर्स्ट के कर्जदाताओं की समिति तथा दिवाला व ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड को नोटिस जारी किया। संकटग्रस्त गो फर्स्ट के समाधान पेशेवर (आरपी) ने यात्रियों को पैसे वापस करने की अनुमति मांगने के लिए एनसीएलटी का रुख किया है। गो फर्स्ट ने अपनी विमान सेवाएं तीन मई को बंद कर दी थी, जबकि कुछ यात्रियों ने 10 जुलाई तक के लिए एयरलाइन की टिकट खरीदी थीं। समाधान पेशेवर का प्रतिनिधित्व करने वाले एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि यह बंद पड़ी एयरलाइन को बहाल करने की व्यावसायिक योजना के तहत किया जा रहा है। एनसीएलटी की पीठ ने कहा कि ऐसी व्यवसाय योजना की व्यवहार्यता तथा क्रियान्वयन ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के सदस्यों के सुझावों के तहत होनी चाहिए। एनसीएलटी की पीठ ने समाधान पेशेवर से राशि की वापसी पर ऋणदाताओं से विशेष मंजूरी लेने को कहा। उन्होंने कहा कि सीओसी को इसकी जानकारी है और उन्होंने इसकी मंजूरी दे दी है। बहरहाल उन्होंने इस बात का पता लगाने के लिए समय मांगा कि क्या इस विशिष्ट योजना को सीओसी ने मंजूरी दी है या नहीं। एनसीएलटी ने कहा कि योजना में बार-बार बदलाव किया जा रहा है, इसलिए यह बेहतर होगा यदि पैसे वापस करने के लिए एक विशिष्ट समाधान निकाला जाए।

नेपाल में 5जी परीक्षण कर रही हुआवेई, राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

काठमांडू ।

नेपाली मीडिया के मुताबिक, चीनी दूरसंचार दिग्गज हुआवेई नेपाल में 5जी परीक्षण कर रही है, इससे देश के दूरसंचार क्षेत्र में संभावित भ्रष्टाचार के मुद्दों और एकाधिकार पर चिंताएं बढ़ गई हैं। हुआवेई नेपाल में 2600 मेगाहर्ट्ज की आवृत्ति का उपयोग करके 5जी तकनीक का परीक्षण कर रही थी, इस अमेरिका और यूरोपीय सरकारें सुरक्षा जोखिम के रूप में देखती हैं। परीक्षण ने अधिकारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है। और संभावित भ्रष्टाचार के मुद्दों पर प्राधिकरण के दुरुपयोग की जांच के लिए आयोग (सीआईएए) द्वारा जांच शुरू कर दी है। चूंकि कंपनी दुनिया भर में कथित तौर पर रिश्वतखोरी और गुप्त संचालन में शामिल होने के कारण पहले से ही जांच के दायरे में है, इसकारण राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा इसके वैश्विक विस्तार प्रयासों में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है। नेपाली मीडिया के अनुसार, चूंकि कंपनी कई देशों में बौद्धिक संपदा की चोरी और जासूसी के आरोपों का सामना कर रही है, इसकारण राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा इसके वैश्विक विस्तार प्रयासों में एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अतिरिक्त, हुआवेई के व्यापारिक सौदों के कारण कुछ देशों में प्रतिबंध लगा दिया गया है और अंतरराष्ट्रीय अधिकारियों द्वारा जांच की गई है। इससे पहले, अमेरिका और यूरोपीय सरकारों ने कहा था कि राज्य के प्रभाव और इसके पांचवीं पीढ़ी के नेटवर्क की संभावित भेद्यता के बारे में चिंताओं के कारण हुआवेई एक सुरक्षा जोखिम है।

इससे भारत जैसे देशों को भी आपत्ति हुई है, जिन्होंने अपने 5जी मोबाइल नेटवर्क में हुआवेई गियर को तैनात करने के खिलाफ लाल झंडे उठाए हैं।

आईसीसी विश्व कप के बाद भारतीय टीम को मिलेगा नया कोच, हो गया ऐलान, राहुल द्रविड़ की छुट्टी होना तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम में इन दिनों कई तरह के बदलाव होते दिख रहे है। भारतीय टीम के खिलाड़ियों से लेकर मैनेजमेंट तक में कई स्तर पर बदलाव हो रहे है। टीम के हर हिस्से में और हर स्तर पर बदलाव किया जा रहा है। भारतीय टीम में हाल ही में हुए बदलावों की बदौलत ही टीम के प्रदर्शन में हुए बदलाव भी सामने दिखे है। वहीं अब टीम के हेड कोच को लेकर भी नई जानकारी सामने आई है।

माना जा रहा है कि भारतीय टीम के हेड कोच को भी जल्दी ही बदला जा सकता है। यानी की वर्तमान में भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की टीम से जल्दी ही छुट्टी हो सकती है। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के तौर पर राहुल द्रविड़ ने ये पद वर्ष 2021 में संभाला था। राहुल द्रविड़ को कोच और रोहित शर्मा को भारतीय टीम के कप्तान की जिम्मेदारी लगभग साथ ही मिली थी। इस नई जोड़ी के बनने के बाद क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी कि दोनों मिलकर भारतीय क्रिकेट के इतिहास में नया पन्ना लिखेंगे मगर उम्मीद के अनुरूप ऐसा कुछ नहीं हुआ।

भारतीय टीम से कई बड़े टूर्नामेंट जीतने की उम्मीद थी मगर टीम इसमें खरी नहीं उतर सकी। कोच की जिम्मेदारी के तौर पर भी देखा जाए तो राहुल द्रविड़ खास उपलब्धि हासिल नहीं कर सके और असफल साबित हुए है।

वर्ल्ड कप के बाद बदलाव तय

कोच राहुल द्रविड़ के अगुवाई में एशिया कप 2022, टी20 विश्व कप 2022, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 जैसे बड़े मुकाबले टीम को खिलाए हैं मगर दुर्भाग्यवश टीम कोई भी खिताब हासिल नहीं कर सकी है। सभी टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा जिससे फैंस काफी दुखी हुए। ऐसे में खुद को अच्छे कोच के तौर पर साबित करने के लिए भारतीय टीम को विश्व कप 2023 में पूरी जान लगानी होगी। विश्व कप 2023 राहुल द्रविड़ के लिए अंतिम मौका होगा।

इन्हें मिल सकती है जिम्मेदारी

इस बार राहुल द्रविड़ की जगह इस बार टीम को नया हेड कोच मिल सकता है। इस जिम्मेदारी के लिए बोर्ड मैनेजमेंट वीवीएस लक्ष्मण के नाम पर चर्चा कर रहे है। वीवीएस लक्ष्मण ने भारतीय टीम में राहुल द्रविड़ के साथ लंबे समय तक बल्लेबाजी भी की है और ड्रेसिंग रूम भी शेयर किया है। वर्तमान में वीवीएस लक्ष्मण राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी, बेंगलुरू में निदेशक की भूमिका निभा रहे है।

वीवीएस लक्ष्मण से पहले एनसीए के अध्यक्ष राहुल द्रविड़ ही थे। वीवीएस लक्ष्मण को भी कोचिंग का अनुभव है जिस कारण हेड कोच के लिए उनका नाम सबसे आगे चल रहा है।

बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में शीर्ष दस में पहुंचे प्रणय

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएएस)। भारतीय के एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की नवीनतम विश्व रैंकिंग में ऊपर आये हैं। प्रणय अब नवें जबकि लक्ष्य ग्यारहवे स्थान पर पहुंच गये हैं। इन दोनो को ही रैंकिंग में ये लाभ जापान ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के कारण मिला है। प्रणय जहां एक स्थान आगे बढ़े हैं, वहीं लक्ष्य को दो स्थान का लाभ मिला है। प्रणय को पिछले सप्ताह टोक्यो में जापान ओपन के सेमीफाइनल में डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन जबकि लक्ष्य को इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। वहीं विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी एक स्थान के लाभ के साथ ही 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि मिथुन मंजूनाथ चार स्थान ऊपर आकर 50वें स्थान पर पहुंच गये हैं। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधु पहले की तरह ही 17वें स्थान पर बनी हुई हैं जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी दूसरे स्थान पर है।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम घोषित , बुमराह की कप्तान के तौर पर वापसी

-कृष्णा, जितेश और रिंकू भी शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड दौरें के लिए टीम घोषित कर दी है। इस टीम में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी हुई है। बुमराह के अलावा युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की भी वापसी हुई है। बुमराह को इस दौरे के लिए टीम इंडिया का कप्तान बनाया गया है। वह चोट और सर्जरी के कारण करीब एक साल से टीम से बाहर चल रहे थे। बुमराह के अलावा कृष्णा भी अब अपनी चोट से उबर गये हैं, केएससीए टी20 टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी के बाद उनकी टीम में वापसी हुई है। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी इस टीम में जगह मिली है। वहीं युवा जितेश शर्मा को विकेटकीपर के तौर पर जगह मिली है। जितेश ने आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके साथ ही मुम्बई इंडिया के बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी इस टीम में जगह मिली है। तिलक ने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा था। ऋतुराज गायकवाड़ को इस टीम का उपकप्तान बनाया गया है। ऋतुराज ने आईपीएल में सीएसके की ओर से बेहतरीन प्रदर्शन किया था।

इस दौरे के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवाओं को अवसर दिया गया है।

टीम में ऋतुराज के अलावा यशस्वी जायसवाल, तिलक जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। देवधर ट्रॉफी में अच्छी पारी खेलने वाले ऑलराउंडर बल्लेबाज शिवम दुबे को भी इसमें जगह मिली है। वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट और एकदिवसीय में डैब्यू पर अच्छी गेंदबाजी करने वाले मुकेश कुमार को भी अवसर मिला है। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और रिंकू सिंह को भी इसमें शामिल किया गया है। रिंकू ने आईपीएल जबकि यशस्वी ने वेस्टइंडीज में टेस्ट सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। इस दौरे में गेंदबाजी की कमान गेंदबाजी आक्रमण जसप्रीत बुमराह और बाएं हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के पास रहेगी।

आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए ट्रॉफी और टीमों के कप्तान के साथ जारी हुआ पोस्टर

मुंबई (एजेंसी)। भारत आईसीसी विश्व कप 2023 की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस आईसीसी विश्व कप 2023 के अंत में अक्टूबर और नवंबर महीने में भारत में आयोजित होगा। आईसीसी विश्वकप के लिए आईसीसी ने इसका एक खास पोस्टर भी जारी कर दिया है। इस पोस्टर में विश्व कप में हिस्सा लेने वाली सभी टीमों कप्तान आईसीसी विश्व कप की ट्रॉफी के साथ दिख रहे है।

इस पोस्टर में खिलाड़ियों के बीच में ट्रॉफी रखी है। विश्व कप में खेलने वाली 10 टीमों के कप्तान ट्रॉफी के आसपास खड़े नजर आ रहे है। गौरतलब है कि आईसीसी विश्व कप 2019 का विजेता इंग्लैंड है। वहीं अब तक ये खिताब सर्वाधिक बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है। ऑस्ट्रेलिया पांच बार खिताब जीत चुकी है।

आईसीसी द्वारा जारी पोस्टर की बात की जाए तो इस पोस्टर में बटलर के बाईं ओर भारत के कप्तान रोहित शर्मा हैं, उनके बाद अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, श्रीलंका के दासुन शनाका और न्यूजीलैंड के टॉम लाथम हैं। इसके बाद कमिंस के दाईं ओर पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा, बांग्लादेश के कप्तान तमीम इकबाल और अंत में जिम्बाब्वे के क्रेग एर्विन खड़े दिख रहे हैं। इस पोस्टर के बैकड्रॉप में

मुंबई शहर रोशनी में जगमगाता हुआ दिखा है। हालांकि बता दें कि ये सिर्फ एक पोस्टर है। अभी कैप्टन फोटोशूट नहीं हुआ है। माना जा रहा है कि ऑफिशियल फोटोशूट विश्व कप की शुरुआत से एक सप्ताह पहले किया जाएगा।

भारत की मेजबानी में होने वाले विश्व कप का इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने इसका शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर से होना है। वहीं भारत की टीम विश्व कप में अपना पहला मुकाबला आठ अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने उतरेगी।

विश्व कप के दौरान देश और दुनिया के क्रिकेट फैंस सबसे अधिक भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले को लेकर उत्साहित है। गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ये मुकाबला होना था। अब 15 अक्टूबर को नहीं खेला जाएगा। बल्कि इसकी तारीख में बदलाव कर दिया गया है। अब 15 अक्टूबर की जगह 14 अक्टूबर को यानी एक दिन पहले खेला जाएगा। ये बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि 15 अक्टूबर से नवरात्रि की शुरुआत होगी और इस दिन पहला नवरात्र मनाया जाएगा।

एटीपी रैंकिंग में अलकराज शीर्ष पर कायम , शीर्ष 10 में बदलाव नहीं

-आर्थर फिल्स शीर्ष 50 में शामिल

लंदन ।एटीपी टेनिस रैंकिंग में स्पेन के कार्लोस अलकराज शीर्ष पर बरकरार हैं। नोवाक जोकोविच और डेनियल मेदवेदेव दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। वहीं इसके अलावा जैनिक सिनर, टेलर फिट्ज और फ्रांसिस टियाफो इस सप्ताह के शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल हैं। वहीं फ्रांस के आर्थर फिल्स को भी शीर्ष 50 में जगह मिली है जबकि पहले स्थान पर कार्लोस अलकराज बने हुए हैं। यूरोपियन ओपन जीतने के बाद जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव रैंकिंग में तीन पायदान ऊपर आकर 16वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ज्वेरेव इवेंट में 19वें स्थान पर पहुंच गये हैं हालांकि गत सप्ताह के उनके प्रदर्शन से उन्हें 500 अंक मिले। वहीं पूर्व विश्व नंबर 3 स्विटजरलैंड के स्टैन वावरिंका क्रोशियाई ओपन के फाइनल में पहुंचने के बाद अक्टूबर 2021 के बाद पहली बार शीर्ष 50 खिलाड़ियों में जगह बनाने में सफल रहे हैं। एटीपी 250 में हार्ड कोर्ट पर बेहतर प्रदर्शन के कारण अलेक्जेंडर वुकिक, फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फिट्ज़ को तीन सेटों में हराने के बाद 20 स्थान ऊपर आने के साथ ही शीर्ष 62वें नंबर पर पहुंच गए हैं। माटेओ अर्नाल्डी भी 64वें नंबर पर पहुंच गए। इस सप्ताह शीर्ष 10 में कोई बदलाव नहीं हुआ है। शीर्ष तीन खिलाड़ी वर्तमान में कार्लोस अल्कराज,

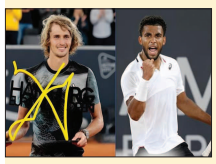

विश्वकप में कौन होगा रोहित का जोड़ीदार , शुभमन या ईशान ?

मुम्बई। अक्टूबार-नवंबर में अपनी ही धरती पर होने वाले एकदिवयीय विश्वकप से पहले टीम इंडिया अपने सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के खराब प्रदर्शन से चिन्तित है। शुभमन वेस्टइंडीज दौरे में अब तक विफल रहे हैं। वह पहले और दूसरे एकदिवसीय में अधिक रन नहीं बना पाये। वहीं दूसरे सलामी बल्लेबाज ईशान किशन ने दोनो ही मैचों में अच्छी बल्लेबाजी करते हुए शानदार अर्धशतक लगाये हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरुआत के लिए शुभमन की जगह ईशांत को भी भेजा जा सकता है पर कोच राहुल द्रविड़ ने इससे इंकार किया है। उनका कहना है कि शुभमन को लेकर वह परेशान नहीं है। उन्होंने कहा कि शुभमन तीनों फॉर्मेट के हमारे सबसे अहम खिलाड़ियों में से एक हैं। ईशान ने पहले एकदिवसीय में 52 तो दूसरे मैच में 55 रन बनाए। ईशान बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये उनका मजबूत पक्ष है क्योंकि दाएं ओर बाएं बल्लेबाज का संयोजन गेंदबाजों पर अतिरिक्त दबाव डालता है। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री का भी मानना है कि शीर्ष क्रम में बाएं हाथ के एक बल्लेबाज शामिल किया जाना चाहिये। उन्होंने कहा कि अभी शीर्ष क्रम में ऐसे खिलाड़ी की कमी है। 25 साल के ईशान का एकदिवसीय में रिकॉर्ड अच्छा है। इस बल्लेबाज ने अब तक 15 पारियों में एक शतक और 5 अर्धशतक लगाये हैं। ईशान ने 16 एकदिवसीय की 15 पारियों में 44 की औसत से 617 रन बनाये हैं। 210 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। लिस्ट-ए करियर को देखें, तो ईशान ने 89 पारियों में 3 हजार से अधिक रन बनाए हैं। इसमें 5 शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं शुभमन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में 7 तो दूसरे मैच में 34 रन बनाए। उन्होंने अब तक 26 एकदिवसीय की 26 पारियों में 61 की औसत से 1352 रन बनाए हैं। इसमें 4 शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। शुभमन के नाम भी ए एक दोहरा शतक है। वहीं कप्तान रोहित ने 3 साल की बात करें, तो उन्होंने टीम की ओर से 20 मैच खेले हैं। उन पर कप्तानी पारी खेलने की जिम्मेदारी होगी। पिछले साल हुए एशिया

अगले दो महीने हमारे लिए महत्वपूर्ण : हरमनप्रीत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए अगले दो महीने टीम के लिये बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। भारतीय टीम तीन अगस्त से 12 अगस्त के बीच एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेकर अगले महीने चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिये तैयारी करेगी। हरमनप्रीत की टीम अगर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करती है तो वह पेरिस ओलंपिक के लिये सीधा क्वालीफाई कर लेगी।

हरमनप्रीत ने हॉकी ते चर्चा पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड पर कहा, 'अगले दो महीने हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में, हमारे पास हांग्झोउ एशियाई खेलों से पहले अच्छे प्रतिद्वंदियों के खिलाफ खेलने का अवसर है। यह खिलाड़ियों के लिये अच्छा अनुभव होगा। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम अपनी उन योजनाओं को क्रियान्वित करें जिन पर हमने काम किया है।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार भारत में आयोजित की जा रही है। संयोग से, चेन्नई हरमनप्रीत के लिए एक खास जगह है क्योंकि हॉकी इंडिया के तत्कालीन उच्च-प्रदर्शन निदेशक रोलेंट ओल्टमेंस ने उन्हें इसी शहर में हॉकी इंडिया जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान देखा था।

हरमनप्रीत ने कहा, 'मुझे याद है जब 2015 में जूनियर टीम की घोषणा होनी थी, मैं चेन्नई में राष्ट्रीय चैंपियनशिप खेल रहा था, जिसे हमने जीता था। उस समय रोलेंट ओल्टमेंस मैच देखने के लिए वहां थे और हम हरियाणा के खिलाफ फाइनल खेल रहे थे। उसके बाद मुझे राष्ट्रीय शिविर के लिये बुलाया गया और फिर उसी वर्ष सीनियर वर्ग में पदार्पण किया। यह शहर मेरे दिल में एक विशेष जगह रखता है। मैं वहां वापस जाकर खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'

इस बीच, हार्दिक सिंह ने 16 साल के बाद चेन्नई में अंतरराष्ट्रीय मैचों की वापसी के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। आखिरी बार चेन्नई ने 2007 में एक अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी की थी, जब भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 7-2 से हराकर 2007 पुरुष एशिया कप ट्रॉफी जीती थी।

हार्दिक ने कहा, 'हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन चेन्नई में होना सभी के लिये विशेष है। जिस तरह दर्शकों ने राउरकेला और भुवनेश्वर में हमारा समर्थन किया, हमें उम्मीद है कि लोग यहां भी स्टेडियम आकर हमारा समर्थन करेंगे। मुझे चेन्नई में खेलने का इंतजार है।'

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : पाकिस्तान की हॉकी टीम वाघा बॉर्डर से भारत पहुंची

चेन्नई - पाकिस्तान की हॉकी टीम गुरुवार से यहां होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए मंगलवार को अटारी वाघा बॉर्डर से भारत पहुंची। एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित मैच नौ अगस्त को खेला जाएगा। पाकिस्तान की टीम सड़क के रास्ते अमृतसर पहुंचने के बाद विमान से चेन्नई के लिए रवाना होगी। इस बीच हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम मंगलवार को यहां पहुंची। भारतीय टीम गुरुवार को चीन के खिलाफ मैच से पहले बुधवार को मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में अभ्यास करेगी। पाकिस्तान की टीम भी इस दिन अभ्यास करेगी।

पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है : मुहम्मद उमर भट्टा (कप्तान), अकमल हुसैन, अब्दुल्ला इश्तियाक खान, मुहम्मद अब्दुल्ला, मुहम्मद सुफियान खान, एहतशाम असलम, ओसामा बशीर, अकील अहमद, अरशद लियाकत, मुहम्मद इमाद, अब्दुल हनान शाहिद, जकारिया हयात, राणा अब्दुल वहीद अशरफ (उप कप्तान), रोमन, मुहम्मद मुर्तज़ा याकूब, मुहम्मद शाहज़ेब खान, अफराज, अब्दुल रहमान । **स्टैंडबाय :** अली रज़ा, मुहम्मद बाकिर, मुहम्मद नदीम खान, अब्दुल वहाब, वकार अली, मुहम्मद अरसलान और अब्दुल कय्यूम

जडेजा ने कपिल की 'अहंकारी' वाली टिप्पणी पर कहा, जब भारत हारता है तो लोग ऐसी प्रतिक्रिया करते हैं

तरौबा (एजेंसी)। भारत के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पूर्व कप्तान कपिल देव की खिलाड़ियों के अहंकारी बनने वाली टिप्पणी पर कहा कि जब भारत मैच हारता है तो लोग इस तरह की प्रतिक्रिया करते हैं। कपिल ने हाल में कहा था कि वर्तमान भारतीय टीम में अहंकार भर गया है और खिलाड़ी समझने लगे हैं कि उन्हें सब कुछ आता है। जडेजा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच से पहले पत्रकारों से कहा कि टीम का ध्यान केवल मैच जीतने पर है और उनका कोई निजी एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा,'' हर किसी की अपनी राय होती है। पूर्व खिलाड़ियों को अपने विचार साझा करने का पूरा अधिकार है लेकिन मैं नहीं मानता कि इस टीम में किसी तरह का अहंकार है।''

जडेजा ने कहा,'' प्रत्येक खिलाड़ी अपनी क्रिकेट का आनंद ले रहा है और प्रत्येक कड़ी मेहनत कर रहा है। कोई भी खिलाड़ी किसी चीज को तय मानकर नहीं चल रहा है। वे अपना शत प्रतिशत योगदान दे रहे हैं। जब भारतीय टीम मैच हारती है तो इस तरह की प्रतिक्रियाएं होती हैं।'' उन्होंने कहा,'' यह खिलाड़ियों का अच्छा समूह है। हम भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। किसी का कोई निजी एजेंडा नहीं है।'' जडेजा ने इसके साथ ही कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में प्रयोग करने के बावजूद 30 अगस्त से शुरू होने वाले एशिया कप के लिए अंतिम एकादश पहले ही तय हो चुकी है। भारत ने दूसरे वनडे मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को विश्राम दिया था।

भारत यह मैच छह विकेट से हार गया था। उसने पहला मैच पांच विकेट से जीता था। जडेजा ने कहा,''यह श्रृंखला एशिया कप और विश्वकप से पहले हो रही है जिसमें कि हम प्रयोग कर सकते हैं। इसमें हम नए संयोजन आजमा सकते हैं। इससे हमें टीम के संतुलन, मजबूत और कमजोर पक्षों के बारे में पता चल जाएगा।'' उन्होंने कहा,'' कप्तान और टीम प्रबंधन जानता है कि वे किस संयोजन के साथ खेलेंगे। इसको लेकर किसी तरह का भ्रम नहीं है। हमने एशिया कप के लिए संयोजन पर फैसला पहले ही कर लिया है। लेकिन यह प्रयोग किसी खिलाड़ी को बल्लेबाजी क्रम में किसी खास स्थान पर आजमाने से जुड़ा है।

विश्व चैम्पियनशिप के लिए लय हासिल करने उतरेंगे सिंधु और श्रीकांत

सिडनी ।भारत की शीर्ष महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधु के साथ ही पुरुष वर्ग से किदाम्बी श्रीकांत यहां शुरु हो रहे ऑस्ट्रेलियाई ओपन में लय हासिल करने के इरादे से उतरेंगे। इस टूर्नामेंट से सिंधु और श्रीकांत के पास विश्व चैम्पियनशिप से पहले अपनी लय हासिल करने का अवसर है। ये दोनो ही खिलाड़ी पिछले कई टूर्नामेंटों में असफल रहे हैं। विश्व चैम्पियनशिप डेनमार्क के कोपेनहेगन में खेली जाएगी। सिंधु चोट से उबरने के बाद फॉर्म में नहीं है और इस साल 12 बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर टूर्नामेंटों में से सात में से वह शुरुआत में ही बाहर हो गई थीं।

यहां पहले दौर में सिंधु का सामना अपने ही देश की अश्मिता चालिहा से होगा। इससे पहले इन दोनों का मुकाबला अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर 2022 इंडिया ओपन में ही हुआ है जिसमें सिंधु को जीत मिली थी इसके अलावा 2019 सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भी सिंधुने चालिहा को पराजित किया था। श्रीकांत भी इस सप्ताह प्रभावी नहीं रहे। उन्हें इससे पहले जापान ओपन में चीनी हमवतन एच एस प्रणय से हार का सामना करना पड़ा था। । श्रीकांत का मुकाबला यहां जापान के केंता निशिमोतो से होगा जिसमें उन्हें सतर्क रहना होगा। भारत को इस सत्र प्रणय, और लक्ष्य सेन से भी उम्मीदें रहेंगी। सात्विक रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इस सत्र में चार खिताब जीते पर विश्व चैम्पियनशिप की तैयारी के कारण वह यहां नहीं उतर रहे। प्रणय और लक्ष्य ने भी इस सत्र में खिताब जीते हैं। इसमे भारत के प्रियांशु राजावत का मुकाबला पहले दौर में आस्ट्रेलिया के नाथन टैंग से होगा जबकि मिथुन मंजूनाथ का सामना सिंगापुर के लो कीन यू से होगा। महिला एकल में आकर्षि कश्यप का मुकाबला मलेशिया की गो जिन वेइ से होगा।

मोइन ने दूसरी बार लिया टेस्ट क्रिकेट से संन्यास

-एशेज के पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की जीत के साथ ही की घोषणा

लंदन । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड की जीत के बाद ही स्पिन ऑलराउंडर मोइन खान से फिर संन्यास की घोषणा कर दी। इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट जीतने के साथ ही ये एशेज सीरीज ड्रॉ जरुर हुई है पर ट्रॉफी ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास ही रहेगी। मोइन ने इस सीरीज के पहले टीम प्रबंधन के अनुरोध पर संन्यास से निकलकर वापसी की थी क्योंकि इंग्लैंड टीम के मुख्य स्पिनर जैक लीच चोटिल थे। मोईन ने इससे पहले साल 2021 में भी पहली बार टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था। अब जबकि एशेज सीरीज ड्रा हो गयी है तो मोईन ने फिर से टेस्ट प्रारुप को अलविदा कह दिया है। इस बार मोईन अपने फैसले पर पक्के दिखे। उन्होंने साथ ही कहा कि आने वाले समय में अगर कप्तान बेन स्टोक्स भी मुझे वापसी के लिए कहेंगे तो मैं इंकार करते हुए मैसेज ही हटा दूंगा। मोईन ने हालांकि मान कि उनकी वापसी अच्छी रही। उन्होंने कहा कि जब मुझे स्टोक्स का संदेश मिला तो मैं दंग रह गया था। मुझे नहीं पता था कि लीच घायल है पर सीरीज में आने के बाद मैंने खेल का आनंद लिया। मैं जानता था कि मानसिक रूप से यह कठिन होगा साथ ही मैं जानता था कि सबसे कठिन शारीरिक होगा। यह एक अद्भुत सीरीज थी, जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। मैंने सोचा कि यह मेरे आखिरी कुछ टेस्ट मैच होंगे इसलिए मैं इसे टीम के लिए पूरा प्रयास करूंगा। इस क्रिकेटर ने कहा, - मैंने पहले भी तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी की है इसलिए यह बहुत अच्छा था। नहीं, मुझे पता है मेरा काम हो गया। अगर स्टोक्स ने मुझे दोबारा मैसेज किया तो मैं उसे डिलीट कर दूंगा। मेरा काम हो गया। मैंने बहुत अच्छा समय बिताया है लेकिन मैं जानता हूं कि मेरे लिए बस इतना ही काफी है। संन्यास लेने वाले तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड को लेकर कहा कि वास्तव में खुशी की बात है कि उन्होंने जिस तरह से अपने करियर का समापन किया। यह साबित करता है कि हमारा दृष्टिकोण विशेषकर गुणवत्तापूर्ण गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ बहुत अच्छा है। जैक क्रॉली और डकेट अद्भुत रहे हैं। आने वाले समय में जेम्स एंडरसन) को अभी भी जाते हुए देखना बहुत अच्छा है। मोईन टी20 में इंग्लैंड की कप्तानी करने वाले एकमात्र एशियाई मूल के खिलाड़ी भी हैं। वह इंग्लैंड की 2019 विश्व कप विजेता टीम और 2022 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

हजारों जापानी ने जैन धर्म अपनाया, गुजरात से जैनाचार्य जी की प्रतिमा लेने आया जापानी ग्रुप

अहमदाबाद। जापान में हजारों लोगों ने जैन धर्म अंगीकार कर उसका पालन कर रहे हैं। इतना ही नहीं जापान में दुनिया का पहला जैन गुरु मंदिर बन रहा है, जिसमें जैनाचार्य जयंसेन सूरिश्वरजी की प्रतिमा के स्थापना का इंतजार किया जा रहा है। जापान के जो लोग जैन धर्म अंगीकार कर चुके हैं, वह उत्तरी गुजरात के बनासकांठा पहुंच गए हैं, जहां से अपने गुरु की प्रतिमा लेकर स्वदेश लौटेंगे। इस प्रतिमा की स्थापना जापान में बन रहे विश्व के पहले जैन गुरु मंदिर में की जाएगी। उत्तर गुजरात के बनासकांठा में गुरु महाराज की प्रतिमा लेने आई जापानी मनोवैज्ञानिक डॉ. चुरूसु जैन धर्म से प्रभावित होकर अब तुलसी बन गई हैं। तुलसी के कारण ही जापान में 5 हजार से अधिक लोगों ने जैन धर्म से प्रभावित हुए हैं। बनासकांठा जिले के नेनावा गांव से जैनाचार्य जयंतसेन सूरिश्वरजी की प्रतिमा विमान के जरिए जापान ले जाएंगे। जैनाचार्य की प्रतिमा को जापान ले जाने के लिए खास विमान की व्यवस्था की गई है और उसमें भी प्रतिमा के लिए अलग से टिकट लिया गया है। बताया जाता है कि वर्ष 2005 में जापान से एक ग्रुप भारत के राजस्थान आया था। उस ग्रुप में चुरूसु नामक एक महिला थी। ग्रुप के गाइड के कहने पर चुरूसु समेत अन्य लोग जैनाचार्य जयंतसेन सूरिश्वरजी के दर्शन करने गए थे। जहां जैनाचार्य के वाणी व्यवहार से जापानी ग्रुप काफी प्रभावित हुआ। जैनाचार्य ने चुरूसु को नवकार मंत्र देकर जाप करने को कहा। जापान लौटने के तीन महीने बाद चुरूसु फिर एक भारत आई और जैनाचार्य के दर्शन किए। नवकार सिद्ध करने की जैनाचार्यजी की आज्ञा से चुरूसु प्रति दिन 8 घंटे से अधिक समय त जाप करने लगी। मनोचिकित्सक चुरूसु को जैनाचार्य जी ने तुलसी नाम भी दिया। डॉ. तुलसी अब संपूर्ण जैन बन चुकी हैं और वह जापान में जैन धर्म का प्रचार भी कर रही है। तुलसी के प्रयासों से ही जापान में 5000 से भी ज्यादा लोगों ने मांसाहार का त्याग कर दिया है। पिछले 6 वर्ष से जापान में नियमित सायंकाल में गुरु आरती की जाती है और प्रति माह गुरुदेव की पुण्यतिथि भी मनाई जाती है। डॉ. तुलसी आज भी दिन में 8 घंटे से भी अधिक समय तक 108 मनकों की 108 माला का जाप करती हैं। सायकोलोजिस्ट की शिक्षा प्राप्त डॉ. तुलसी अपने मरीजों को दवा नहीं बल्कि नवकार देती हैं। जिससे हजारों मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। यहां तक कि पेरालिसिस में भी नवकार मंत्र के अच्छे नतीजे मिले हैं।

सूरत।

सीईपीटी यूनिवर्सिटी अहमदाबाद ने उत्तर प्रदेश के शहरी अधिकारियों के लिए सीटी लीडरशिप प्रोग्राम का आयोजन किया इसे 1 अगस्त से 5 अगस्त तक किया गया है। इसके तहत सदर बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सूरत नगर निगम की विभिन्न उपलब्धियों को प्रस्तुत किया, जिसमें स्मार्ट सिटी और क्लीन सिटी के साथ-साथ सूरत नगर निगम के जल आपूर्ति, सीवेज, सड़क, पुल, स्ट्रीट लाइट, आवास के संचालन शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के महापौरों के समक्ष नगर नियोजन, नगर विकास, कर निर्धारण एवं स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत जानकारी प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गयी। प्रेजेंटेशन देखने वाले उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के मेयर और अधिकारी प्रभावित हुए और सूरत नगर निगम के अनुकरणीय प्रदर्शन की सराहना की।

पुलिस कार्यवाही के बाद 160 की स्पीड में कार चलाने वाली युवती ने मांगी माफी

राजकोट।

रील बनाने के चक्कर में लोग यह भूल जाते हैं कि इससे उनकी या किसी और की जान जा सकती है। ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिसमें रील बनाने के प्रयास में कई जान चली गई है। सोशल मीडिया पर एक युवती का वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में युवती 160 की रफ्तार में अपनी कार चला रही है। वीडियो सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस को हिरासत में ले लिया। पुलिस कार्यवाही के बाद युवती ने तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और लोगों से इस प्रकार वाहन नहीं चलाने की अपील की। युवती का नाम है जन्नत मीर, जो राजकोट की निवासी है। वायरल हुए वीडियो में जन्नत मीर 160 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार भगा रही है। अगर 160 की स्पीड में चल रही कार से कोई दुर्घटना हो जाए तो अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना की पीछे छूट जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस युवती की तलाश कर रही थी, आखिरकार राजकोट पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। जन्नत मीर के इंस्टा आईडी पर प्रेस लिखा हुआ था। साथ ही ऑल इंडिया काउंसिलिंग वाइस प्रेसिडेन्ट लिखा है। पुलिस कार्यवाही के बाद जन्नत का नूर गायब हो गया और उसने तेज रफ्तार कार चलाने की अपनी गलती स्वीकार कर ली। जन्नत मीर का माफी मांगने वाला वीडियो जारी हुआ है। जिसमें वह कह रही है 'मेरा नाम जन्नत मीर है। सोशल मीडिया में मेरा जो वीडियो वायरल हो रहा है, वह काफी पुराना है। वीडियो में मैं काफी तेज रफ्तार से कार चला रही हूं, जो मेरी गलती है। उसके लिए आई एम सो शॉरी। सभी से यही अनुरोध है कि वह वाहन धीरे चलाएं। हमारी और सामने वाला सुरक्षित रहे, इसलिए स्लो ड्राइविंग जरूरी है। ड्राइविंग कोई शौक नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी है।'

अब धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर शुरू होंगे 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम

गांधीनगर ।

हथकरघा तथा हस्तकला कारीगरों द्वारा उत्पादित हाथों से बनाई गई वस्तुओं की बिक्री में वृद्धि करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण क़दम के रूप में आगामी समय में गुजरात राज्य हथकरथा व हस्तकला विकास निगम (जीएसएचएचडीसी) गुजरात सहित देशभर में नए 18 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम शुरू करेगा।

जीएसएचएचडीसी लिमिटेड द्वारा राज्य की हथकरघा-हस्तकला तथा उसके कारीगरों को प्रोत्साहन देने के लिए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम चलाए जाते हैं, जहाँ राज्य के छोटे-छोटे गाँवों एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों के हथकरघा-हस्तकला कारीगरों द्वारा उत्पादित वस्तुओं की बिक्री की जाती है। हाल में गुजरात में 13 तथा गुजरात से बाहर 7 सहित कुल 20 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम कार्यरत हैं तथा साथ ही एक ई-स्टोर भी कार्यरत है। धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर खुलेंगे नए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य के हथकरघा-हस्तकला कारीगरों को अधिक प्रोत्साहन देने तथा अधिक आय दिलाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण गतिविधियाँ की जा रही हैं और इसके तहत राज्य में आगामी समय में 18 नए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम शुरू किए जाएंगे। राज्य सरकार तथा जीएसएचएचडीसी ने इसके लिए अब राज्य तथा देश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर फ़ोकस करने का निर्णय किया है, जहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक-श्रद्धालू उमड़ते हैं। इसी उद्देश्य से अब धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर 18 नए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम शुरू करने की योजना पर कार्य किया जा रहा है।

किन-किन स्थलों पर शुरू होंगे 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम ? :

जीएसएचएचडीसी ने गुजरात तथा देश के अन्य धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम शुरू करने के प्रयास प्रारंभ किए हैं। जीएसएचएचडीसी के प्रबंध निदेशक ललित नारायण सिंह सांदु ने इस संबंध में विवरण देते हुए बताया कि गुजरात में कुल 13 स्थानों पर नए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम खोले जाएंगे; जिनमें सूरत, पालनपुर, पालीताणा, जामनगर, वलसाड, वापी, द्वारका, डाकोर, सोमनाथ, अंबाजी, नवसारी, मोरबी और पावागढ शामिल हैं। इन 13 स्थलों में अधिकांश धार्मिक एवं पर्यटन स्थल हैं। इसी प्रकार गुजरात से बाहर महाराष्ट्र में मुंबई व पुणे में तथा राजस्थान में उदयपुर, नाथद्वारा व जयपुर में नए 'गरवी-गुर्जरी' एम्पोरियम शुरू करने की कार्यवाही की जा रही है।

अपहरण और 5.74 लाख की लूट मामले में चौंकाने वाला खुलासा

राजकोट। पिछले सप्ताह राजकोट महानगर पालिका के निकट स्थित फर्म के एक कर्मचारी का अपहरण और रु. 5.74 लाख लूट के मामले में चौंकाने वाला खुलासा होने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि खुद को घटना शिकार बताने वाला और मुख्य सूत्रधार ज्वैलर्स के फरार कर्मचारी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक राजकोट के याज्ञिक रोड पर टूर्स एन्ड ट्रावेल्स और सोने के बिस्कुट की खरीद-बिक्री के व्यवसायी की ऑफीस में हार्दिक टांक नामक कर्मचारी पिछले 6 साल से काम करता है। गत 26 जुलाई को व्यापारी ने अपने कर्मचारी हार्दिक टांक को सोनी बाजार से सौ-सौ ग्राम के दो बिस्कुट खरीदने के लिए रु. 5.74 लाख देकर भेजा था। शेष रकम रु. 6.60 लाख का पहले ही भुगतान कर दिया गया था। रु. 5.74 लाख लेकर निकले हार्दिक टांक ने सोने के बिस्कुट ले लिए। उसके बाद हार्दिक ने अपनी दोस्त कोमल को फोन किया और आगे प्लान बताया। कोमल प्लान को अंजाम देने में हार्दिक की मदद के लिए तैयार हो गई। कोमल ने अपने प्रेमी हसनेन को भी इस प्लान में शामिल कर लिया। हार्दिक ने दोनों को एक-एक लाख देने का वादा किया। योजना के मुताबिक हार्दिक सोनी बाजार से सोने के बिस्कुट लेकर राजकोट महानगर पालिका ऑफीस के निकट पहुंच गया। जहां से कोमल और हसनेन ने अपनी मोटर साइकिल पर हार्दिक टांक का अपहरण कर लिया। मामला राजकोट के ए डिवीजन थाने में दर्ज होने पर पुलिस भी हरकत में आ गई और अलग अलग टीमें बनाकर जांच शुरू कर दी। पुलिस को शुरू से ही पूरा मामला संदिग्ध लग रहा था। जिसकी वजह थी महानगर पालिका चौक जैसे क्षेत्र से जहां बड़ी तादाद में लोगों की आवाजाही होती है वहां से किसी का अपहरण करना और वह भी मोटर साइकिल पर। अपहरण में एक युवती के शामिल होना भी शंका की एक वजह थी। पुलिस ने संदेह के आधार पर कोमल और हसनेन को हिरासत में लेकर कड़ी पूछताछ शुरू कर दी। जिसमें पूरे मामले का चौंकाने वाला खुलासा होने के बाद पुलिस ने कोमल और हसनेन को गिरफ्तार कर लिया। जबकि घटना के बाद से फरार इस कथित लूट और अपहरण के साजिशकर्ता हार्दिक टांक की तलाश तेज कर दी।

स्वयं संस्था द्वारा आयोजित मेले का हुआ समापन

सूरत भूमि, सूरत।

स्वयं संस्था द्वारा सिटी-लाइट स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित दो दिवसीय सावन मेले के अंतिम दिन महिलाओ की भारी भीड़ उमड़ी । मंगलवार को विशेष अतिथि के रूप में भारत पेट्रोलियम की डायरेक्टर सुषमा अग्रवाल उपस्थित रहीं । सोमवार से चल रहे मेले में महिलाओं ने आभूषण, राखी, गिफ्ट आइटम, प्रसाधन सामग्री,गृहोपयोगी वस्तुएं, हैण्डीक्राफ्ट्स, बैग, गारमेन्ट्स, सजावट की विभिन्न वस्तुएं सहित अनेकों सामान की खरीदारी की । मेलें में आगामी त्यौहार को देखते हुए कपड़ों और गहनों की नयी नयी डिजायन देखने को मिली । मेलें में अहमदाबाद, मुम्बई, जयपुर, बड़ौदा, कोलकाता सहित देश एवं विदेश के अनेकों शहरों की महिला उधमियों ने हिस्सा लिया एवं सभी की स्टॉल पर भरी भीड़ रहीं । सभी दर्शकों ने मेले को काफी सराया । मेले में सुबह से ही भीड़ रही जो देर शाम तक रही । इस मेले का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को प्लेटफार्म प्रदान करना है । मेले के दौरान संस्था की ऋचू गोयल, शशि जैन, विमल अग्रवाल, उमा जालान, रेखा कानूनगो सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रही ।

आईक्रिएट ने भारत के सबसे बड़े ईवी इनोवेशन चैलेंज, ईवैन्जेलाइज '23 के लिए राष्ट्रव्यापी रोड शो की शुरुआत की

भारत के प्रमुख इनोवेशन-आधारित स्टार्टअप इनक्यूबेटर, आईक्रिएट (इंटरनेशनल सेंटर फॉर आंत्रप्रेन्योरशिप एंड टेक्नोलॉजी / iCreate) ने आज एक राष्ट्रव्यापी रोड शो की श्रृंखला की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य देश के प्रीमियम कॉलेजेस के छात्रों को ईवैन्जेलाइज '23 (EVangelise '23) के लिए जागरूक करना है।

इसके लिए, आईक्रिएट अगले 6 हफ्तों में 18 से अधिक शहरों के विभिन्न इंस्टीट्यूट्स के 5000 से अधिक छात्रों के साथ जुड़ेगा, ताकि ईवी इंडस्ट्री में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके और उसमें तेजी लाई जा सके। 3 सेट के इस रोड शो में से पहले का आयोजन गुजरात में किया जाएगा। इस प्रकार, 21 जुलाई को अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद में इसकी शुरुआत होगी। इसके बाद क्रमशः 22 और 28 जुलाई को बिल्ड्रा विश्वकर्मा महाविद्यालय (बीवीएम), आनंद और एशिन-एसवीएनआईवी, सूरत में इसका आयोजन किया जाएगा। आगामी रोड शो पर टिप्पणी करते हुए, श्री अविनाश पुणेकर, सीईओ, आईक्रिएट, ने कहा, "ईवैन्जेलाइज '23 के लिए रोड शो की शुरुआत करना हमारे लिए उत्साह का विषय है। इन कार्यक्रमों का आयोजन देश भर में विभिन्न संस्थानों और संगठनों के साथ साझेदारी में किया जाएगा, जो इलेक्ट्रिक व्हीकल क्षेत्र में सिर्फ नवाचार ही नहीं, बल्कि इसके बारे में गहनता से जानकारी देने और सहयोग के लिए मुख्य स्त्रोत के रूप में काम करेंगे। हम ईवी इनोवेशन के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र में तब्दील करने के लिए प्रमुख स्टेकहोल्डर्स को एक साथ लाने के लिए तत्पर हैं।"

विभिन्न संस्थानों के सहयोग से देश भर के विभिन्न शहरों में रोड शो की योजना बनाई गई है, जिनका आयोजन जुलाई और अगस्त के महीनों में किया जाएगा। इससे प्रतिभागियों को विषय विशेषज्ञों के साथ जुड़ने, ईवी टेक्नोलॉजी में हो रही नवीनतम प्रगति के बारे में गहनता से जानने और ईवैन्जेलाइज '23 प्रतियोगिता श्रेणियों के बारे में अपनी समझ स्पष्ट करने का मौका मिलेगा।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का टैक्स के बाद का प्रॉफिट, वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 61% बढ़कर 765 करोड़ रु. दर्ज किया गया

मुंबई ।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल की हाल ही में बैठक समाप्त हुई। इस दौरान 30 जून, 2023 को समाप्त तिमाही के लिए गैर-ऑडिट फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी दे दी गई।

लाभप्रदता (प्रोफिटेबिलिटी)

कोर ऑपरेटिंग इनकम में सुदृढ़ वृद्धि के चलते नेट प्रॉफिट 61% बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 765 करोड़ रु. हो गया, जो कि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 474 करोड़ रु. था।

कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट (ट्रेडिंग लाभ को छोड़कर प्री प्रोविज़न ऑपरेटिंग प्रॉफिट) 45% की शानदार वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 1,427 करोड़ रु. हो गया, जो कि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 987 करोड़ रु. था।

नेट इंटरेस्ट इनकम (एनआईआई) 36% बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,745 करोड़ रु. हो गई, जो कि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 2,751 करोड़ रु. थी।

नेट इंटरेस्ट मार्जिन (आईबीपीसी और बिक्री का ग्रॉस) वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 6.33% हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 5.77% और वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में 6.41% था।

शुल्क और अन्य आय सालाना आधार पर 49% की वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 1,341 करोड़ रु. हो गई, जो कि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 899 करोड़ रु. थी। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए खुदरा शुल्क कुल शुल्क का 91% है। कोर ऑपरेटिंग इनकम (एनआई प्लस फीस, ट्रेडिंग लाभ को छोड़कर) 39त्न बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 5,086 करोड़ रु. हो गई, जो कि वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 3,650 करोड़ रु. थी ।

मुख्य रूप से कर्मचारियों की वेतन वृद्धि, शाखा विस्तार और व्यवसाय की मात्रा में वृद्धि के चलते ऑपरेटिंग एक्सपेंस वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 2,663 करोड़ रु. सालाना से 37% बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,659 करोड़ रु. हो गया।

प्रोविजन्स वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 308 करोड़ रु. सालाना से 55% बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 476 करोड़ रु. हो गए। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए औसत फंडेड एसेट्स के त्न के रूप में क्रेडिट लागत (त्रैमासिक वार्षिक) 1.16% रही, जबकि वित्त वर्ष 2023 की चौथी तिमाही में यह 1.26% थी।

आरओए (वार्षिक) वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 0.97% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 1.26% हो गया।

आरओई (वार्षिक) वित्त वर्ष 2023 की पहली तिमाही में 8.96% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 11.78% हो गया, जिसमें मार्च 2023 में इक्विटी कैपिटल वृद्धि के कारण लगभग 60 बीपीएस का प्रभाव भी शामिल है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के निवेशकों के लिए चेतावनी

एक्सचेंज के ध्यान में लाया गया है कि "सैंश स्टॉक्स" नामक इकाई से जुड़ा "शुभम शर्मा" नाम का व्यक्ति मोबाइल नंबर "8128477028" के माध्यम से ट्रेडिंग के लिए सिक्योरिटीज मार्केट टिप्स प्रदान कर रहा है और शेयर बाजार में निवेश पर रिटर्न का आश्वासन दे रहा है। वह निवेशकों से अपने क्रेडेंशियल साझा करने के लिए कहकर उनके ट्रेडिंग खातों को संभालने की भी पेशकश कर रहा है।

निवेशकों को सावधान किया जाता है और सलाह दी जाती है कि वे शेयर बाजार में सांकेतिक/सुनिश्चित/गारंटी रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति/इकाई द्वारा पेश की गई ऐसी किसी भी स्कीम/प्रॉडक्ट की सदस्यता न लें क्योंकि यह कानून द्वारा निषिद्ध है। यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि उक्त व्यक्ति/इकाई नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के किसी भी पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। एक्सचेंज ने पंजीकृत सदस्य और इसके अधिकृत व्यक्तियों के विवरण की जांच करने के लिए अपनी वेबसाइट पर https://www.nseindia.com/invest/find-a-stock-broker लिंक के तहत "अपने स्टॉक ब्रोकर को जानें/पता लगाएंज्ञ की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, ट्रेडिंग सदस्यों द्वारा एक्सचेंज को बताए गए निवेशकों से धन प्राप्त करने/भुगतान करने के लिए ग्राहक बैंक खातों के रूप में नामित निर्दिष्ट बैंक खाते भी उक्त लिंक के तहत प्रदर्शित किए जाते हैं। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे किसी भी इकाई के साथ लेनदेन करते समय विवरण की जांच करें।

ऐसी निषिद्ध योजनाओं में भागीदारी निवेशकों के अपने जोखिम, लागत और परिणामों पर है क्योंकि ऐसी योजनाएं न तो एक्सचेंज द्वारा अनुमोदित हैं और न ही समर्थित हैं।

निवेशक ध्यान दें कि ऐसी निषिद्ध योजनाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के विवाद के लिए निवेशकों को निम्नलिखित में से कोई भी सहारा उपलब्ध नहीं होगा:

1. एक्सचेंज के अधिकार क्षेत्र के तहत निवेशक सुरक्षा के लाभ
2. विवाद समाधान से संबन्धित एक्सचेंज मेकेनिज़्म
3. एक्सचेंज द्वारा प्रशासित निवेशक शिकायत निवारण तंत्र

निवेशकों को उपरोक्त बातों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)